हिंदी डेली

आपकी बात- हमारे साथ

dailyhindihyd@gmail.com E-paper-hindidailyweb.in http://hindidaily.net

VOLUM NO : 15 ISSUE NO : 162 Wednesday, 2 April 2025 बुधवार २ एप्रिल २०२५ HYDERABAD 8 PAGES RS.1.00

म्यांमार और थाईलैंड के बाद अब पाकिस्तान में भूकंप के झटके, 4.3 मापी गई तीव्रता

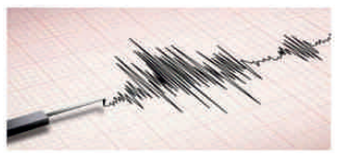

इस्लामाबाद (एजन्सी),

पाकिस्तान में मंगलवार की सुबह 2:58 बजे (आईएसटी) भूकंप के झटके महसूस किए गए। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के अनुसार, भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 4.3 मापी गई। अभी तक किसी नुकसान की जानकारी नहीं मिली है।

पीएम मोदी की 'ब्रांड एम्बेसडर बेटी' ने लिया रिटायरमेंट

- ओलंपिक में हैट्रिक से रचा था इतिहास, पूरी दुनिया में बढ़ाया तिरंगे का सम्मान

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत को टैलेंट की खान कहा जाता है। छोटे घर से निकलने वाले बच्चे भारत की शान बनते हैं। दुनियाभर में तिरंगे का मान रखते हैं। अब भारतीय महिला टीम की दिग्गज खिलाड़ी वंदना कटारिया को ही ले लीजिए।

वह उत्तराखंड (तब उत्तर प्रदेश) के हरिद्वार के रोशनाबाद में 15 अप्रैल 1992 को जन्मी इस खिलाड़ी ने दुनियाभर में अपनी हॉकी की जादूगरी दिखाई। तोक्यो ओलंपिक 2020 में साउथ अफ्रीका के खिलाफ नाजुक स्थिति में हैट्रिक दागकर जीत दिलाई तो वंदना के नाम ओलंपिक में पहली भारतीय महिला हॉकी खिलाड़ी होने का सम्मान जुड़ा। 2021 में वह पीएम नरेंद्र मोदी के प्रमुख अभियान बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ की ब्रांड एम्बेसडर भी बनीं। अब वंदना ने रिटायरमेंट का ऐलान किया है। उन्होंने मंगलवार को अंतरराष्ट्रीय हॉकी को अलविदा कह दिया और कहा कि अपने 15 वर्ष के सुनहरे कैरियर के शिखर पर वह विदा ले रही हैं।

जम्मू-कश्मीर के कठुआ में एनकाउंटर, 1 आतंकी मारा गया

पंजतीर्थी मंदिर के पास छिपे 2 की तलाश जारी, 9 दिन में तीसरी मुठभेड़

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के कठुआ में पंजतीर्थी मंदिर के पास सोमवार रात से चल रही मुठभेड़ में एक आतंकी मारा गया है। हालांकि, सुरक्षाबलों ने इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। सेना के राइजिंग स्टार कॉर्प्स के मुताबिक 31 मार्च की रात इलाके में संदिग्ध गतिविधि की सूचना मिली, जिसके बाद सेना ने सर्चिंग शुरू की। आतंकियों की तरफ से फायरिंग के बाद एनकाउंटर शुरू हो गया। सुरक्षाबलों ने रातभर इलाके की घेराबंदी की, ताकि जंगल में छिपे 3 आतंकी भाग न सकें। हालांकि, मंगलवार सुबह 7 बजे के बाद फायरिंग रुकी है। कश्मीर पुलिस, एसओजी, सीआरपीएफ और स्निफर डॉग्स और ड्रोन से आतंकियों की तलाश कर रही है। बीते 9 दिनों में कठुआ में सुरक्षाबलों की आतंकियों से यह तीसरी मुठभेड़ है। पहली मुठभेड़ 23 मार्च को हीरानगर सेक्टर में हुई थी।

पंचम मां स्कंदमाता

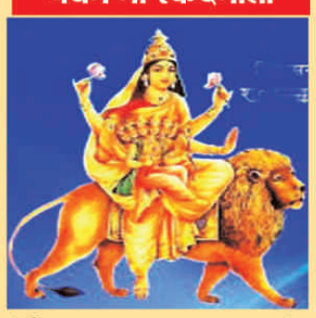

देवी मां का पांचवां रूप स्कंदमाता के नाम से प्रचलित है। भगवान् कार्तिकेय का एक नाम स्कन्द भी है जो ज्ञानशक्ति और कर्मशक्ति के एक साथ सूचक हैं। स्कन्द इन्हीं दोनों के मिश्रण का परिणाम है।

पटाखा फैक्ट्री में ब्लास्ट, एमपी के 18 मजदूरों की मौत

- गुजरात के बनासकांठा की घटना, फैक्ट्री का बॉयलर फटा
- 3 मजदूर गंभीर रूप से घायल, पांच लोगों को बचाया गया

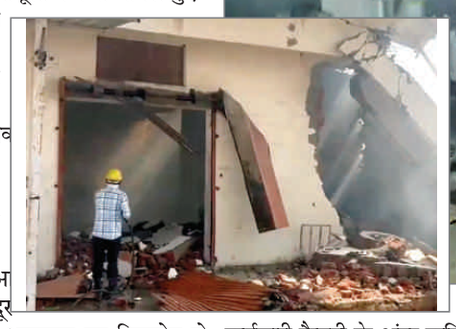

अहमदाबाद (एजेंसी)। गुजरात के बनासकांठा में पटाखा फैक्ट्री में बॉयलर फटने से मध्यप्रदेश के 18 मजदूरों की मौत हो गई, जबकि 3 की हालत गंभीर है। वहीं, पांच मजदूर मामूली रूप से घायल हुए हैं। फैक्ट्री डीसा के धुनवा रोड पर है। दमकल विभाग के कर्मचारियों ने आग पर काबू पा लिया है। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक बॉयलर फटने से फैक्ट्री में आग लगी थी। मरने वालों की संख्या अभी और बढ़ सकती है। नव अंग दूर-दूर तक पड़े नजर आ विस्फोट के दौरान मजदूर फैक्ट्री में काम कर रहे थे। अचानक हुए विस्फोट से उन्हें भागने का भी मौका नहीं मिला। विस्फोट इतना भीषण था कि कई मजदूरों के अंग भी करीब 50 मीटर दूर तक बिखर गए। फैक्ट्री के पीछे खेत में भी कुछ मानव अंग मिले हैं। आग पर काबू पाने के बाद अब फायर ब्रिगेड कर्मचारी फैक्ट्री के अंदर कूलिंग कर रहे हैं। तीन लोग 40 प्रतिशत से अधिक जल गए डीसा एसडीएम नेहा पांचाल ने बताया कि घटना में सभी घायलों को सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। फिलहाल 3 लोगों का इलाज चल रहा है। ये 40 प्रतिशत से अधिक झुलस गए हैं। उन्होंने कहा कि हादसे को लेकर प्रशासन की ओर से जांच जारी है। जल्द ही हादसे की सही वजह का पता लगाया जाएगा। पटाखा बेचने का लायसेंस था, बनाने का नहीं दीपक ट्रेडर्स नाम की यह पटाखा फैक्ट्री खूबचंद सिंधी की है। वह इस फैक्ट्री में विस्फोटक लाकर पटाखा बनवाते थे।

राजस्थान में तेजाब फैक्ट्री से गैस-लीक, 3 लोगों की मौत

60 से ज्यादा लोग हुए थे बेहोश, 2 की हालत गंभीर

ब्यावर (एजेंसी)। ब्यावर में तेजाब फैक्ट्री के गोदाम में खड़े टैंकर से नाइट्रोजन गैस के लीक होने से कंपनी मालिक सहित 3 की मौत हो गई। दो लोगों की हालत अब भी गंभीर है। हादसे से प्रभावित 60 से ज्यादा लोगों ब्यावर और अजमेर सरकारी हॉस्पिटल में एडमिट कराया गया था। गैस के असर से कई पालतू जानवर और आवारा कुत्तों की भी मौत हुई है। घटना ब्यावर थाने के बाड़िया क्षेत्र की सुनील ट्रेडिंग कंपनी में सोमवार रात 10 बजे की है। फैक्ट्री के नजदीक के कई घरों को खाली करवाया गया है। इस हादसे में कंपनी मालिक सुनील सिंघल (47) की मौत हो गई। वो रातभर गैस को नियंत्रित करने का प्रयास कर रहे थे। तबीयत बिगड़ने पर उन्हें अजमेर जेएलएन हॉस्पिटल रेफर किया गया था। सोमवार रात को ही इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। वहीं, मंगलवार सुबह दो और पीड़ित नरेंद्र सोलंकी (40) और दयाराम (52) ने भी दम तोड़ दिया। जेएलएन में दो मरीज अब भी गंभीर हालत में एडमिट हैं।

पश्चिम बंगाल में सिलेंडर ब्लास्ट, 8 लोगों की मौत

- इनमें 4 बच्चे, 4 महिलाएं शामिल

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के साउथ 24 परगना जिले के पाथर प्रतिमा इलाके में 31 मार्च, यानी सोमवार देर रात सिलेंडर में ब्लास्ट हुआ था। हादसे में मरने वालों की संख्या मंगलवार को 8 हो गई। पहले यह

आंकड़ा 7 था। अधिकारियों के मुताबिक मरने वालों में 4 बच्चे और 4 महिलाएं शामिल हैं। सुंदरबन जिले के एसपी कोटेश्वर राव ने बताया कि हादसा ढोलाघाट गांव में रात 9 बजे का है। मरने वाले एक ही परिवार के हैं। पुलिस के मुताबिक शुरुआती जांच में 2 गैस सिलेंडर में ब्लास्ट की जानकारी है। वहीं भाजपा विधायक और विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी ने कहा कि यहां क्रूड बम बनाने की अवैध फैक्ट्री चल रही थी।

येशु-येशु वाले बजिंदर सिंह को रेप केस में उम्रकैद

- कोर्ट में बोला-बच्चे छोटे पत्नी बीमार

मोहाली (एजेंसी)। येशु-येशु वाले बाबा के नाम से पहचाने जाने वाले बजिंदर सिंह को रेप केस में उम्रकैद की सजा हो गई है। मोहाली कोर्ट ने उसे सजा सुनाई। इसके बाद कोर्ट के आसपास सुरक्षा बढ़ा दी गई है। बजिंदर को कोर्ट ने 3 दिन पहले दोषी करार दिया था। इसके बाद उसे पटियाला जेल में बंद कर दिया गया था। बजिंदर पर आरोप है कि वह विदेश में

बसाने के बहाने महिला को अपने घर ले गया, जहां उसका रेप कर वीडियो बनाया। उसे धमकी भी दी कि अगर उसका विरोध किया तो वीडियो को सोशल मीडिया पर डाल देगा। इस मामले में पीड़ित के वकील ने बताया कि कोर्ट ने बजिंदर को सजा सुनाते हुए कहा कि उसे अंतिम सांस तक जेल में रहना होगा। सजा से बचने के लिए पादरी बजिंदर कोर्ट में गिड़गिड़ाने लगा। उसने कहा-मेरे बच्चे छोटे हैं। पत्नी बीमार है। मैं सोशल आदमी हूं।

हैदराबाद विश्वविद्यालय भूमि विवाद में गांधी परिवार इसे बचाने के लिए हस्तक्षेप करेगा?

हैदराबाद (एजन्सी),

बहुत कम लोग जानते हैं कि हैदराबाद केंद्रीय विश्वविद्यालय (एचसीयू), जो बाद में हैदराबाद विश्वविद्यालय (यूओएच) बन गया, की स्थापना का गांधी परिवार से बहुत गहरा संबंध है। 1969 में तेलंगाना के अलग राज्य के लिए आंदोलन के दौरान लकडी का पुल के पास द्वारका लॉज के सामने मारे गए तेलंगाना के शहीदों की तस्वीर ने तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को इतना भावुक कर दिया था कि वह न केवल तुरंत हैदराबाद पहुंचीं, बल्कि लोगों को आश्वस्त करती रहीं कि वह उनके लिए मौजूद हैं।

उन्होंने दोनों क्षेत्रों के नेताओं से बातचीत की और आठ सूत्रीय फॉर्मूला तैयार किया। उनमें से एक बिंदु यह था कि संसद के एक अधिनियम (1974 का अधिनियम संख्या 39) के माध्यम से हैदराबाद विश्वविद्यालय की स्थापना कैसे हुई। यह शुरू में भारत की कोकिला सरोजिनी नायडू के निवास गोल्डन थ्रेशोल्ड से संचालित होता था, जिसे उन्होंने शिक्षा के उद्देश्य के लिए समर्पित किया था। इंदिरा गांधी ने पारिवारिक संबंध को बनाए रखा। यूओएच की स्थापना 1974 में सातवें निजाम मीर उस्मान अली खान की 5,000 एकड़ जमीन पर की

हैदराबाद विश्वविद्यालय परिसर का उद्घाटन किया था, और उनके बेटे अगले प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने विश्वविद्यालय के रजत जयंती समारोह में भाग लिया था। चाहे वह रोहित वेमुला का आंदोलन हो, या विश्वविद्यालय में उनका कभी-कभार आना-जाना, यहां तक कि कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने भी गई थी, जिनके समय में हैदराबाद के तत्कालीन राज्य को 1948 में ऑपरेशन पोलो नामक सैन्य कार्रवाई के माध्यम से भारतीय संघ में मिला दिया गया था।

प्रोफेसर गुरबख्श सिंह, जो पहले कुलपति थे, ने देश और दुनिया भर के विषय विशेषज्ञों को एक साथ लाकर विश्वविद्यालय का निर्माण बनाना था।

"गुरबख्श सिंह ने विश्वविद्यालय की भूमि पर अतिक्रमण करने के कई प्रयासों का विरोध किया। यहां तक कि जब 1980 में मैरी चेन्ना रेड्डी ने विश्वविद्यालय को नागार्जुन सागर में स्थानांतरित करने का प्रयास किया, तो सिंह ने इस मुद्दे को दिल्ली और तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी तक पहुंचाया, जिन्होंने राज्य सरकार को चेतावनी दी थी कि उसे यूओएच के मामलों में हस्तक्षेप करने का कोई अधिकार नहीं है," मधुसूदन यादव, एक सेवानिवृत्त परिसर कर्मचारी और एक कट्टर तेलंगाना कार्यकर्ता, जिन्होंने अपने जीवन के 30 से अधिक वर्ष गोल्डन थ्रेशोल्ड से शुरू करके बिताए। गुरबख्श सिंह ही वह व्यक्ति थे जिन्होंने उन दिनों विश्वविद्यालय परिसर के चारों ओर एक मजबूत दीवार बनाई थी, ताकि उस समय भी विश्वविद्यालय की भूमि को अतिक्रमण से बचाया जा सके। गोल्डन थ्रेशोल्ड इसलिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि महात्मा गांधी अक्सर इस स्थान पर आते थे और उन्होंने यहां एक पेड़ भी लगाया था। बीआर अंबेडकर मुक्त विश्वविद्यालय के समाजशास्त्र संकाय के डॉ मोहम्मद अब्बास के अनुसार, महात्मा गांधी के पोते दार्शनिक डॉ रामचंद्र गांधी ने यूओएच में प्रोफेसर के रूप में अपनी नौकरी से सिर्फ एक दिन में इस्तीफा दे दिया था, जब गोल्डन थ्रेशोल्ड में महात्मा गांधी द्वारा लगाए गए पेड़ को नुकसान पहुंचाया गया था। मधुसूदन यादव ने सियासत डॉट कॉम को बताया कि जब एन चंद्रबाबू नायडू संयुक्त आंध्र प्रदेश राज्य के मुख्यमंत्री थे, तब जीएमसी बालयोगी स्टेडियम के निर्माण के लिए हैदराबाद विश्वविद्यालय की 1,500 एकड़ जमीन दी गई थी। इसके अलावा, पूर्व आंध्र प्रदेश मुख्यमंत्री वाईएस राजशेखर रेड्डी ने तेलंगाना गैर-राजपत्रित अधिकारियों (टीएनजीओ) को 200 एकड़ जमीन दी थी और बस डिपो सहित विभिन्न अन्य बुनियादी ढांचे के लिए सैकड़ों एकड़ जमीन भी आवंटित की गई थी। उन्होंने मांग की, "प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, जो केंद्र के प्रभारी हैं, को केंद्रीय विश्वविद्यालय की सुरक्षा के लिए निर्णय लेना होगा", और उन्होंने उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क और उद्योग मंत्री डी श्रीधर बाबू, जो हैदराबाद विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र हैं, की चिंता के इस जरूरी मुद्दे पर चुप्पी पर भी सवाल उठाया।

बुलडोजर ऐक्शन ने हमारी 'अंतरात्मा' हिला दी है

- एससी ने योगी के अफसरों को लगाई कड़ी फटकार
- 10-10 लाख रुपए मुआवजा देने का दिया आदेश

प्रयागराज (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने बुलडोजर एक्शन को लेकर प्रयागराज विकास प्राधिकरण को कड़ी फटकार लगाई है। कोर्ट ने प्राधिकरण (पीडीए) को पांच याचिकाकर्ताओं को 10-10 लाख रुपये का मुआवजा देने का आदेश दिया है। शीर्ष अदालत ने अपनी टिप्पणी में कहा कि अफसरों में संवेदनशीलता नहीं है। ये मकान कानून की प्रक्रिया का पालन किए बगैर गिराए गए थे। इस कार्रवाई ने हमारी अंतरात्मा हिला दी है। घरों पर बुलडोजर चलने की ये घटना 2021 में हुई थी। सुप्रीम कोर्ट ने इसे संविधान के तहत नागरिकों के मूल अधिकार का उल्लंघन माना। कोर्ट ने कहा कि नोटिस देने के 24 घंटे के भीतर घर गिराने की कार्रवाई पूरी तरह से अवैध थी। कोर्ट ने इसे समाज में गलत संदेश फैलाने वाली और कानून के शासन के खिलाफ कार्रवाई करार दिया। जस्टिस अभय ओका और जस्टिस एन कोटिश्वर सिंह की खंडपीठ ने स्पष्ट किया कि मुआवजा प्रभावितों को राहत देने के साथ साथ सरकार को भविष्य में इस तरह की मनमानी रोकने के लिए भी है। फैसले के दौरान कोर्ट ने हाल में वायरल एक वीडियो का हवाला भी दिया। इस वीडियो में बुलडोजर ऐक्शन के दौरान एक बच्ची अपनी किताबें लेकर ढहती झोपड़ी से भागती दिख रही है। कोर्ट ने इसे अंतरात्मा को झकझोरने वाला करार दिया। कोर्ट ने पहले के दिशा निर्देशों का भी हवाला दिया जिसमें किसी संपत्ति को ध्वस्त करने से पहले 15 दिन का नोटिस देना अनिवार्य है। इसके अलावा सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ताओं को अपने खर्चे पर घर दोबारा बनाने की अनुमति दी लेकिन कहा कि अगर उनकी अपील खारिज होती है तो उन्हें निर्माण हटाना होगा। यह मामला वर्ष 2021 का है। प्रयागराज के लूकरगंज क्षेत्र के नजूल प्लॉट नंबर 19 में कुछ मकानों को अवैध निर्माण बताकर पीडीए ने बुलडोजर चलाया था। याचिकाकर्ताओं में एक वकील, एक प्रोफेसर और तीन अन्य लोग शामिल थे। उन्होंने दावा किया कि शनिवार शाम को उन्हें नोटिस मिला था।

संपादकीय | अलग-अलग विचारों से लोकतंत्र होता है मजबूत

किसी भी देश के लोकतंत्र की सबसे बड़ी खूबसूरती यह होती है कि वहां अलग-अलग विचारों या मत को जाहिर करने के मामले में ऐसी बंदिशें नहीं होतीं, जिसे अभिव्यक्ति के दमन के तौर पर देखा जाए। एक वैचारिक रूप से सशक्त और परिपक्व समाज अपने विवेक के स्तर पर इतना समृद्ध होता है कि वह किसी विचार में मानवीय मूल्यों और संदर्भों को दूरगामी परिप्रेक्ष्य में देख सके।

विडंबना यह है कि विचारों की जिस भिन्नता की बुनियाद पर एक स्वस्थ समाज का सपना साकार हो सकता है, उसी को कई बार सवालों के कठघरे में खड़ा कर दिया जाता है और इस तरह उसका दमन करने की कोशिश की जाती है। सर्वोच्च न्यायालय ने शुक्रवार को एक बार फिर इस प्रवृत्ति को लोकतंत्र और अभिव्यक्ति के सामने चुनौती की तरह देखा और साफ शब्दों में कहा कि अगर विचार और राय व्यक्त करने की आजादी नहीं होगी तो सम्मानजनक जीवन जीना नामुमकिन होगा, जिसकी गारंटी संविधान के तहत दी गई है।

गौरतलब है कि राज्यसभा सांसद इमरान प्रतापगढ़ी के खिलाफ सोशल मीडिया पर उत्तेजक गीत के साथ एक संपादित वीडियो पोस्ट करने के लिए गुजरात के जामनगर में मुकदमा दर्ज किया गया था। आरोप यह था कि गाने के बोल उत्तेजक, राष्ट्रीय एकता के लिए हानिकारक और धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाले हैं। मामले की सुनवाई के बाद कथित 'भड़काऊ' कविता को लेकर दर्ज प्राथमिकी को रद्द करते हुए अदालत ने कहा कि साहित्य, जिसमें कविता और नाटक, फिल्में, मंचीय कार्यक्रम जैसे स्टैंड-अप हास्य,

तंज और कला शामिल हैं, जीवन को और अधिक सार्थक बनाते हैं।

पीठ ने यह अहम टिप्पणी भी की कि हमारे गणतंत्र के पचहत्तर वर्ष के बाद भी हम इतने कमजोर नहीं दिख सकते कि सिर्फ एक कविता, कला या मनोरंजन के किसी भी रूप के प्रदर्शन से समुदायों के बीच दुश्मनी या घृणा पैदा होने का आरोप लगाया जा सकता है। जाहिर है, अभिव्यक्ति पर बंदिश के लिए जिस तरह की परिस्थितियां रची जाती हैं, पिछले कुछ वर्षों में जिस तरह की चुनौतियां देखी जा रही हैं, वे देश में लोकतंत्र के लिए आखिरकार नुकसानदेह साबित होंगी और अदालत ने इसी को लेकर अपनी फिक्र जताई है।

यह ध्यान रखने की जरूरत है कि कोई भी लोकतंत्र तभी और ज्यादा मजबूत बनता है, जब उसमें अलग-अलग विचारों के प्रति भिन्न समुदायों के भीतर सहिष्णुता के लिए पर्याप्त जगह होती है। यों भी संविधान सभी नागरिकों को भाषण और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का मौलिक अधिकार प्रदान करता है। खासतौर पर बौद्धिक समाज अपने दायरे में किसी विचार के प्रति समर्थन या विरोध व्यक्त करने के लिए कई बार अलग-अलग रचनात्मक विधाओं का सहारा लेता है।

उसमें कानून और संविधान के तहत मिली आजादी के दायरे में वैसा आलोचनात्मक स्वर भी हो सकता है, जो किसी न किसी रूप में देश में लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूत करे। अफसोस की बात है कि कई बार शब्दों में निहित संदेशों और प्रभाव को वैसे लोगों के आग्रहों के आधार पर देखने की कोशिश की जाती है, जो नाहक ही असुरक्षाबोध से घिरे रहते हैं और किसी स्वस्थ आलोचना को भी अपने लिए खतरा मानते हैं। अगर इस तरह के अभिव्यक्तियों को दबाने के प्रयास किए जाएंगे तो वह न केवल एक स्वतंत्र समाज के विकास में बाधक बनेगा, बल्कि इससे देश के लोकतांत्रिक मूल्य भी कमजोर होंगे।

थाईलैंड-म्यांमा में कुदरत का कहर, तबाही के भयावह दृश्य और बचाव के इंतजाम

थाईलैंड और म्यांमा में शुक्रवार को आए भूकम्प और उससे हुई तबाही ने एक बार फिर दुनिया के सामने इस चुनौती से निपटने के लिए व्यापक स्तर पर ठोस उपाय करने की जरूरत को रेखांकित किया है। म्यांमा में रिक्टर स्केल पर इस भूकम्प की तीव्रता 7.7 मापी गई। अमेरिकी जियोलाजिकल सर्वे के मुताबिक म्यांमा में पहले झटके के बारह मिनट के बाद दूसरा झटका आया, जिसकी तीव्रता 6.4 थी। खबरों के मुताबिक, इस भूकम्प से भारी तबाही हुई है और हजारों लोगों के मसे की आशंका है। वहीं थाईलैंड की राजधानी बैंकाक में भी कई इलाकों से इमारतों के गिसे, सड़कों में दरारें आने और पुल के धराशायी होने सहित बड़े पैमाने पर नुक सान होने की खबरें आईं। बताया जा रहा है कि बीते एक दशक के दौरान यह पहली बार है जब बैंकाक में इतना तेज भूकम्प महसूस किया गया। हालांकि थाईलैंड को भूकम्प के लिहाज से ज्यादा संवेदनशील नहीं माना जाता है, शायद इसीलिए वहां

भवनों को बनाने के क्रम में भूकम्परोधी तकनीक का इस्तेमाल कसा बहुत जरूरी नहीं माना जाता। मगर चूंकि थाईलैंड के पड़ोस में स्थित म्यांमा में अधिक भूकम्प आते हैं, इसलिए उसके असर से इस बार नुकसान का दायरा ज्यादा होने की आशंका है। दरअसल, इस स्तर के भूकम्प के तुरंत बाद उससे हुई क्षति का आकलन नहीं हो पाता है, लेकिन बाद में आमतौर पर तबाही का दायरा बड़ा दर्ज किया जाता है। यही वजह है कि म्यांमा के बड़े हिस्से में आपातकाल का एलान कर दिया गया। इस तरह की किसी भी प्राकृतिक आपदा की स्थिति में स्वाभाविक ही सबसे पहली जरूरत प्रभावित इलाकों में तुरंत पीड़ितों के लिए हर जरूरी चीजों की सहायता पहुंचाना होती है। इसी के मद्देनजर भारत ने बिना देर किए तबाही पर चिंता जाहिर करते हुए मदद की पेशकश की। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हर संभव सहायता देने और अधिकारियों को तैयार रहने को कहा। पिछले कुछ दशकों से कुदरती आपदाओं के स्वरूप में तेजी से बदलाव आता दिख रहा है। भारत में भी आए दिन भूकम्प के झटके किसी बड़ी आशंका के संकेत हो सकते हैं। प्राकृतिक आपदा को रोका नहीं जा सकता, लेकिन उससे बचाव के पुख्ता इंतजाम करके उससे होने वाले नुकसान को कम जरूर किया जा सकता है।

आज का कार्टून

बांग्लादेश ने चीन से नदी जल मास्टरप्लान साझा करने को कहा

चीन का दावा है कि यरलुंग जांग्बो नदी पर मेगा बांध बनाकर, वह 2060 तक शुद्ध कार्बन तटस्थता हासिल कर लेगा। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता माओ निंग ने कहा कि यरलुंग जांग्बो नदी के निचले इलाकों में चीन के पनबिजली विकास का उद्देश्य %स्वच्छ ऊर्जा के विकास में तेजी लाना और जलवायु परिवर्तन और चरम जल विज्ञान संबंधी आपदाओं का जवाब देना है। यह नदी पश्चिमी तिब्बत में आंग्सी ग्लेशियर से निकलती है, जो कैलाश पर्वत और मानसरोवर झील के दक्षिण-पूर्व में है। यह बाद में दक्षिण तिब्बत घाटी और यरलुंग त्संगपो ग्रैंड कैनियन बनाती है और फिर भारत में अरुणाचल प्रदेश में प्रवेश करती है, जहां इसे सियांग के नाम से जाना जाता है। अरुणाचल प्रदेश से नदी काफी चौड़ी हो जाती है। असम पहुंचने पर, यह दिबांग और लोहित सहायक नदियों से जुड़ जाती है और इसे ब्रह्मपुत्र के नाम से जाना जाता है। असम से ब्रह्मपुत्र बांग्लादेश में बहती है।

अरुणिम भुयान

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस ने चीन से बांग्लादेश की नदी और जल प्रणालियों के प्रबंधन के लिए 50 वर्षीय मास्टरप्लान साझा करने का आग्रह करके एक नाजुक कूटनीतिक संतुलन स्थापित किया है। यह अनुरोध तिब्बत में यरलुंग जांग्बो नदी पर एक विशाल जलविद्युत बांध बनाने के चीन के फैसले के मद्देनजर किया गया है। चीन की इन परियोजना ने भारत और बांग्लादेश दोनों के लिए महत्वपूर्ण चिंता पैदा की है।

शुक्रवार को बीजिंग में चीन के जल संसाधन मंत्री ली गुओयिंग से मुलाकात में यूनुस ने यह अनुरोध किया। बांग्लादेश के मुख्य सलाहकार के उप-प्रेस सचिव अबुल कलाम आजाद मजूमदार के हवाले से मीडिया रिपोर्ट में कहा गया, प्रोफेसर यूनुस ने चीनी जल और बाढ़ प्रबंधन प्रणाली की प्रशंसा करते हुए कहा कि चीन ने कुछ कठिन जल मुद्दों के प्रबंधन में अद्भुत काम किया है।

यूनुस ने ली से कहा, हमारे सामने भी वही समस्या है जो आपके सामने है। इसलिए, अगर आप अपने अनुभव साझा करेंगे तो हमें खुशी होगी। उन्होंने कहा, बांग्लादेश एक डेल्टा देश है; हमारे देश में सैकड़ों नदियां हैं। पानी हमें जीवन देता है, लेकिन कभी-कभी यह दुश्मन बन जाता है। अब तक आबादी कई गुना बढ़ गई है, तो हमें सावधान रहना होगा कि इससे पारिस्थितिकी तंत्र को किस तरह का नुकसान हो रहा है।

बांग्लादेशी मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, यूनुस ने चीन के प्रस्तावित मेगा डैम के बारे में भारत की चिंताओं को भी उठाया। उन्होंने कहा कि जनसंख्या में वृद्धि और विकास की मांग के कारण लोग नदियों के किनारे की जमीनों पर कब्जा कर रहे हैं। उन्होंने कहा, ऊपरी तटवर्ती भारत में भी यही मांग बढ़ी है।

उन्होंने कहा कि गाद जमने से नदियों के बीच में जमीन बन रही है, जिससे कई बार नदियों का वजूद खत्म हो जाता है। चीन को जल प्रबंधन का मास्टर बताते हुए यूनुस ने कथित तौर पर कहा कि बांग्लादेश को इस देश से बहुत कुछ सीखना है और उन्होंने चीन से जल प्रबंधन में राष्ट्रपति शी जिनपिंग के दृष्टिकोण को बांग्लादेश के साथ साझा करने का आग्रह किया।

वहीं, चीनी मंत्री ने माना कि चीन और बांग्लादेश जल प्रबंधन में एक जैसी चुनौती साझा करते हैं और उन्होंने बांग्लादेश को तकनीकी सहायता और विशेषज्ञता देने का वादा किया। रिपोर्ट में ली के हवाले से कहा गया कि बांग्लादेश के लिए जल प्रबंधन एक प्रमुख मुद्दा है; चीन भी इसी तरह की चुनौतियों का सामना कर रहा है। उन्होंने स्वीकार किया कि बांग्लादेश के 85 प्रतिशत लोग बाढ़ के लिए संवेदनशील मैदानों में रहते हैं, जिसने देश के लिए जल प्रबंधन को जटिल बना दिया है।

ली ने कहा कि राष्ट्रपति शी ने चीन के लिए एक मास्टरप्लान पेश किया है जिसका उपयोग देश जल प्रबंधन में चुनौतियों से निपटने के लिए कर रहा है। इस पर यूनुस ने कहा कि हमें अपने लिए योजना तैयार करने में आपकी मदद की जरूरत है। चीनी मंत्री ली के साथ बैठक में बांध के बारे में भारत की आशंकाओं को उजागर करने का यूनुस का निर्णय बड़े महत्व के मुद्दे पर दोनों क्षेत्रीय शक्तियों के साथ जुड़ने के ढाका के इरादे को दर्शाता है। भारत के लिए, यह विकास भू-राजनीतिक और पर्यावरणीय रूप से बहुत मायने रखता है, क्योंकि यह न सिर्फ जल सुरक्षा को प्रभावित करता है, बल्कि भारत-बांग्लादेश-चीन संबंधों की उभरती गतिशीलता को भी दर्शाता है।

पिछले साल दिसंबर में, चीनी सरकार ने यरलुंग जांग्बो नदी के निचली हिस्से पर बांध के निर्माण को मंजूरी दी थी। 137 बिलियन डॉलर की लागत से बनने वाला यह बांध पूरा होने पर दुनिया की सबसे बड़ी पनबिजली परियोजना बनने की उम्मीद है। इससे सालाना लगभग 300 बिलियन किलोवाट-घंटे बिजली का उत्पादन होगा। इसका मतलब है कि यह चीन में यांग्त्सी नदी पर बने थ्री गॉर्जेस डैम से तीन गुना अधिक बिजली पैदा करेगा, जो वर्तमान में दुनिया की सबसे बड़ी पनबिजली पथियोजना है।

हालांकि इस मेगा डैम परियोजना को 2021 से 2025 तक चीन की 14वीं पंचवर्षीय योजना में शामिल किया गया था, लेकिन पिछले साल 25 दिसंबर को ही बीजिंग ने इसके निर्माण को मंजूरी दी थी, जिससे भारत और बांग्लादेश के विशेषज्ञों में चिंता पैदा हो गई थी, क्योंकि दोनों देशों में से ब्रह्मपुत्र नदी बहती है।

चीन का दावा है कि यरलुंग जांग्बो नदी पर मेगा बांध बनाकर, वह 2060 तक शुद्ध कार्बन तटस्थता हासिल कर लेगा। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता माओ निंग ने कहा कि यरलुंग जांग्बो नदी के निचले इलाकों में चीन के पनबिजली विकास का उद्देश्य %स्वच्छ ऊर्जा के विकास में तेजी लाना और जलवायु परिवर्तन और चरम जल विज्ञान संबंधी आपदाओं का जवाब देना है।

यह नदी पश्चिमी तिब्बत में आंग्सी ग्लेशियर से निकलती है, जो कैलाश पर्वत और मानसरोवर झील के दक्षिण-पूर्व में है। यह बाद में दक्षिण तिब्बत घाटी और यरलुंग त्संगपो ग्रैंड कैनियन बनाती है और फिर भारत में अरुणाचल प्रदेश में प्रवेश करती है, जहां इसे सियांग के नाम से जाना जाता है। अरुणाचल प्रदेश से नदी काफी चौड़ी हो जाती है। असम पहुंचने पर, यह दिबांग और लोहित सहायक नदियों से जुड़ जाती है और इसे ब्रह्मपुत्र के नाम से जाना जाता है। असम से ब्रह्मपुत्र बांग्लादेश में बहती है। जब एक अन्य सहायक नदी तीस्ता, ब्रह्मपुत्र में मिलती है, तो नदी को जमुना के नाम से जाना जाता है। आगे की ओर, जमुना गंगा में मिलती है और उसके बाद पद्मा के नाम से जानी जाती है। पद्मा का मुख्य भाग बांग्लादेश में चांदपुर के पास मेघना नदी के साथ अपने संगम पर पहुंचता है। फिर यह मेघना मुहाना और डेल्टा से होकर बहने वाली छोटी नहरों के रूप में बंगाल की खाड़ी में प्रवेश करती है।

अब, अगर चीन तिब्बत में यरलुंग जांग्बो के नाम से जानी जाने वाली नदी पर बांध बनाता है, तो विशेषज्ञों को डर है कि इससे भाटा और बांग्लादेश में जल विज्ञान और पारिस्थितिकी तंत्र को भारी नुकसान होगा। इससे नदी के किनारे, खास तौर पर अरुणाचल प्रदेश में जलविद्युत परियोजनाओं के निर्माण की भारत की संभावनाओं पर भी असर पड़ेगा। भारत ब्रह्मपुत्र नदी पर ऐसी परियोजनाओं के प्रभाव के बारे में लंबे समय से अपनी चिंताओं को दोहराता रहा है तथा चीन से पारदर्शी व्यवहार अपनाने और प्रभावित देशों के साथ परामर्श करने का आह्वान करता रहा है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने इस साल की शुरुआत में कहा था, निचले तटवर्ती देश के रूप में हमने नदी के पानी के उपयोग के अधिकार स्थापित किए हैं। हमने विशेषज्ञ स्तर के साथ-साथ राजनयिक चैनलों के माध्यम से चीनी पक्ष को उनके क्षेत्र में मेगा परियोजनाओं पर अपने विचार और चिंताएं लगातार बताई हैं।

जायसवाल ने कहा कि भारत के विचारों को नवीनतम रिपोर्ट के बाद पारदर्शिता और डाउनस्ट्रीम देशों के साथ परामर्श की आवश्यकता के साथ दोहराया गया है। उन्होंने कहा, चीनी पक्ष से यह सुनिश्चित करने का आग्रह किया गया है कि ब्रह्मपुत्र के निचले इलाकों के देशों के हितों को ऊपरी इलाकों में होने वाली गतिविधियों से नुकसान न पहुंचे। हम अपने हितों की रक्षा के लिए निगरानी कसा और जरूरी कदम उठाना जारी रखेंगे।

बता दें कि शनिवार को संपन्न हुई अपनी चीन यात्रा के दौरान यूनुस ने चीनी निवेशकों को बांग्लादेश में तीस्ता नदी जल प्रबंधन परियोजना में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया, जो नई दिल्ली के लिए चिंता का विषय होगा। बांग्लादेश की हसीना सरकार ने यह परियोजना पहले भाटा को सौंपी थी।

मनोहर पर्रिकर इंस्टीट्यूट ऑफ डिफेंस स्टडीज एंड एनालिसिस के सीनियर फेलो और ट्रांसबाउंड्री जल मुद्दों पर प्रमुख टिप्पणीकार उत्तम कुमार सिन्हा ने ईटीवी भारत को बताया, चीन से जल प्रबंधन मास्टरप्लान को साझा करने का अनुरोध कर, यूनुस तर्कसंगत रूप से बीजिंग को पारदर्शी होने के लिए कहने की कोशिश कर रहे हैं। हालांकि, तीस्ता परियोजना को चीन को सौंपकर, बांग्लादेश बीजिंग के साथ अपने जल सहयोग का विस्तार करने की कोशिश कर रहा है। सिन्हा ने बताया कि भारत इस समय बांग्लादेश के साथ व्यवहार के मामले में रणनीतिक रूप से धैर्य का परिचय दे रहा है। उन्होंने कहा, बांग्लादेश को भी अहसास हो गया है कि वह भारत के साथ अपने संबंधों को बदल नहीं सकता।

भूलने की वजह से होते हैं ज्यादातर वैवाहिक झगड़े

परंपरागत रूप से भूलना समय के साथ मस्तिष्क में दर्ज और संग्रहीत जानकारी के निष्क्रिय क्षय के रूप में माना जाता है। भूलना जरूरी नहीं कि दोषपूर्ण स्मृति का संकेत हो। एक बुद्धिमान स्मृति प्रणाली के लिए भूलना जरूरी है। इसके पक्ष में कुछ शोधकर्ता तर्क देते हैं कि मस्तिष्क के स्मृति तंत्र का जैविक लक्ष्य जानकारी को संरक्षित करना नहीं है, बल्कि मस्तिष्क को सही निर्णय लेने में मदद करना है। स्मृति स्वयं अभी भी एक रहस्य है, लेकिन इसमें मूल रूप से मस्तिष्क में होने वाले शारीरिक परिवर्तन शामिल हैं जो पिछले अनुभवों का प्रतिनिधित्व करते हैं।

मनीष कुमार चौधरी

स्मृति का लक्ष्य बुद्धिमान निर्णय लेने का मार्गदर्शन करना है। सिर्फ सार को समझना विशेष रूप से बदलते परिवेश में सहायक होता है, जहां कुछ यादों के खो जाने से कई तरीकों से निर्णय लेने में सुधार होता है। भूलने में विफलता के परिणामस्वरूप अवांछित या दुर्बल करने वाली यादें बनी रहती हैं। भूलने की आदत से बचने की कोशिश में कुछ लोग यादों के महल बनाते हैं। लेकिन यह याद रखने की जरूरत है कि यादों के सबसे शानदार महल को भी कूड़ेदानों की जरूरत होती है। कुछ ऐसी यादें होती हैं जो हमें नहीं चाहिए और जिनकी हमें जरूरत नहीं होती। कई बार हम अपने जीवन की कुछ बातें भूलने का सचेतन प्रयास भी करते हैं या फिर उस बात के याद आने के बाद उससे परेशान दिखते हैं। कई मामलों में भूलना केवल स्मृति के किसी अंश को याद करने की असमर्थता को दर्शाता है। मस्तिष्क की उल्लेखनीय भंडारण क्षमता से पता चलता है कि इसमें एक कुशल सूचना प्रबंधन प्रणाली है, जो 'डेटा' निपटान विधियों से सुसज्जित है। यानी अतीत के ब्योरों को जरूरत के मुताबिक मस्तिष्क सहेजता या फिर निपटता भी रहता है। शोधकर्ता मानते हैं कि निष्क्रिय तंत्र की तुलना में 'सक्रिय' भूलना स्मृति को मिटाने में अधिक

शक्तिशाली हो सकता है। सूचनाओं से भरी दुनिया में शोर को कम करने और बेकार विवरणों को त्यागने में सक्षम होना आवश्यक है, ताकि वे नई शिक्षा या विचारों तक व्यक्ति की पहुंच में बाधा न डालें। भूलने की क्षमता हमें प्राथमिकता तय करने, बेहतर सोचने, निर्णय लेने और पहले से अधिक रचनात्मक होने में मदद करती है। सामान्य भूलने की क्षमता स्मृति के साथ संतुलन में, हमें संग्रहीत जानकारी के दलदल से अमूर्त अवधारणाओं को समझने के लिए मानसिक लचीलापन देती है, जिससे हम पेड़ों के बीच जंगल देख पाते हैं।

मस्तिष्क को सक्रिय रूप से भूलने में मदद करने का एक और तरीका आक्रोश, द्वेष और पिछली निराशाओं को जाने देने का सचेत निर्णय लेना है। जितना अधिक हम किसी दुखद याद पर ध्यान देते हैं या यादों के आसपास की घटनाओं पर चिंतन करते हैं, स्मृति के आसपास 'न्यूरोनल संपर्क' उतने ही मजबूत होते हैं। पुरानी कहावत है- 'माफ करने के लिए हमें भूलना पड़ता है।' ज्यादातर वैवाहिक झगड़े भूलने की अक्षमता से सामने आते हैं। अगर कोई ऐसी दवा बना सकता है जो अपमान को जल्दी भुला सके, तो जीवन बेहद आनंददायक हो सकता है। यह अलग प्रश्न है कि इससे किसी का अपमान करना सामान्य व्यवहार की एक सहज गतिविधि हो जाए। मगर किसी अपमान की वजह से जीवन रुक जाए, यह भी उचित नहीं।

मनोवैज्ञानिक शोधों में पाया गया है कि लगभग छप्पन फीसद जानकारी एक घंटे के भीतर, छियासठ फीसद एक दिन के बाद और पचहत्तर फीसद छह दिनों के बाद किसी न किसी रूप में भूल जाती है। भूलना उस जानकारी में कमी या बदलाव है जो पहले अल्पकालिक या दीर्घकालिक स्मृति में संग्रहीत थी। मस्तिष्क सक्रिय रूप से उन यादों को छांटता है जो अप्रयुक्त हो जाती हैं। जैसे-जैसे यादें जमा होती हैं, जो फिर से प्राप्त नहीं होती हैं, वे आखिरकार खो जाती हैं। मानव मस्तिष्क एक ऐसा 'पावर हाउस' या ऊर्जा तंत्र है जो हमारे द्वारा किए गए हर काम को यादों से जोड़ता है।

यादें किसी व्यक्ति के लिए उतनी ही अनोखी होती हैं, जितनी कि उसके अंगूठे के निशान। अच्छी और स्थायी यादें बनाना जीवन में एक आशीर्वाद है। एक सुखद स्मृति हमें मुश्किल समय से गुजरने और हर चीज का सकारात्मक दृष्टिकोण से सामना करने में मदद कर सकती है। दिल को छू लेने वाली घटनाओं के साथ यादों के उद्धरण जोड़ने से उन्हें हमेशा याद रखने में मदद मिलती है। हमारी कई यादें हमें अपने प्रियजनों को याद करने और उनके द्वारा सिखाए गए सबक को याद करने की अनुमति देती हैं। यादें एक वरदान की तरह होती हैं और आपको अपने लिए एक जगह बनाने में मदद करती हैं। यादें अतीत की खिड़की होती हैं जो लोगों को भविष्य के लिए तैयार होने में मदद करती हैं। यादें ही हमारी रचना हैं। अपनी यादों पर चिंतन करना केवल यादों की गलियों में यात्रा करना नहीं है, बल्कि हमारे अतीत के उन सभी टुकड़ों पर नजर डालना है, जिन्होंने हमारे भविष्य का निर्माण किया है।

वही भविष्य, जो हम अभी जी रहे हैं। दूसरे शब्दों में अतीत के बिना कोई वर्तमान क्षण नहीं होता। यादें हमारे जीवन की समयरेखा पर एक प्रतीक चिह्न या 'मार्कर' के रूप में काम करती हैं। यादें वर्ष बीतने के साथ-साथ फीकी पड़ सकती हैं, लेकिन वे एक दिन भी पुरानी नहीं होतीं। जिस तरह कुछ यादें सहज जीवन में बाधक के रूप में काम करती हैं, उसी तरह कभी-कभी हम किसी पल का मूल्य तब तक नहीं जान पाते जब तक वह याद न बन जाए। यादें एक बगीचे की तरह होती हैं। नियमित रूप से सुंदर फूलों की देखभाल करते और आक्रामक खरपतवारों को हटाते रहना चाहिए।

प्राकृतिक का अनमोल खजाना है दुनिया की यह जादुई गुफा

दुनिया में एक से बढ़कर एक चीज हैं, जो अपने आप में अनोखी है। ऐसी चीज लोगों को हैरान कर देती है। हर चीज के पीछे कोई ना कोई कारण भी अवश्य छुपा होता है। आज हम आपको दुनिया की सबसे बड़ी गुफा के बारे में बताएंगे। आपको यह जानकर हैरानी होगी कि इस गुफा के अंदर एक रहस्यमई दुनिया भी है, जो यकीन से परे है। यहां के रास्ते, गहराई और अनदेखे नजारे आपको हैरान कर देंगे। यह दुनिया की सबसे बड़ी चमत्कारिक गुफा मानी जाती है। आज हम आपको उस गुफा के बारे में बताएंगे, जो इतनी विशाल है कि उसके अंदर एक अलग सी दुनिया बसी हुई है। यहां का रहस्य काफी अलग है। यहां हर किसी को जाने की इजाजत भी नहीं मिलती है।

ऐसे पड़ा गुफा का नाम

दरअसल, इस गुफा का नाम सॉन डूंग गुफा है जो कि वियतनाम और लाओस की सीमा पर स्थित है। यहां फॉन्ग न्हाके बांग नेशनल पार्क भी है, जो कि 9 किलोमीटर लंबी है। इस तरह यह दुनिया की सबसे बड़ी गुफाओं में से एक है। इसके पास एक छोटा सा गांव बसा है, जिसका नाम डूंग है। इसी नाम के आधार पर इस गुफा का नाम रखा गया है।

किसान ने की थी खोज

मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो यहां आस-पास रहने वाले किसान हो खान ने 1991 में इस गुफा को ढूंढा था, लेकिन वह इसे भूल गया। फिर साल 2009 में ब्रिटिश गुफा अनुसंधान संघ ने इसे दोबारा खोजा, जिसे देख सभी हैरान रह गए थे। इस गुफा के अंदर 80 मीटर तक ऊंचे चूने के स्टैलेग्माइट्स है। इस रहस्यमई गुफा में कई बड़े-बड़े मोती मिलते हैं, जो पानी और चूने से बने होते हैं। लंबाई और चौड़ाई की बात करें, तो यह 150 मीटर चौड़ी और 200 मीटर ऊंची है और 9 किलोमीटर लंबी है। जिसमें एक पूरा शहर या फिर हवाई जहाज भी समा सकता है।

बसी है अलग दुनिया

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, इसमें एक अलग दुनिया भी बसी है। यहां बारिश होती है, जंगल है, नदी बहती है। जिस कारण यहां अलग जलवायु बन चुकी है। साल 2013 में वियतनाम सरकार द्वारा इसे खोला गया, जहां केवल चुनिंदा पर्यटकों को ही जाने की इजाजत मिलती है। वह भी केवल चार दिन के लिए.. ऑक्जेलिक एडवेंचर कंपनी परमिट से लेकर गाइड तक सब कुछ संभालती है, ताकि पर्यटकों को किसी प्रकार का कोई नुकसान ना हो। यह जादुई दुनिया प्राकृतिक का अनमोल खजाना है।

मारियाना ट्रेंच, समुद्र की ऐसी रहस्यमय जगह जहां पूरा हिमालय समा जाए

सूरज की रोशनी जहां कभी नहीं पहुंची। कहीं बर्फीला पानी तो कहीं उबाल देने वाले स्प्रिंग्स। प्रेशर इतना कि इंसान की हड्डियां पल में चकनाचूर हो जाएं। पानी की सतह से 11 हजार मीटर नीचे बसती है एक दुनिया जिसने समेट रखी हैं कई पहेलियां और होश उड़ा देने वाले नजारे। जिसकी तुलना चांद की सतह से की जाती है और जहां दूसरे ग्रहों की तरह वैज्ञानिक जीवन की खोज में जुटे रहे- ये है कहानी दुनिया के सबसे गहरे पॉइंट मारियाना ट्रेंच की।

धरती की सबसे खतरनाक जगहों में से एक मारियाना ट्रेंच की गहराई इसे धरती की सबसे खतरनाक जगहों में से एक बनाती है। यहां सूरज की रोशनी पहुंचती नहीं और अंधेरे की चादर हमेशा कायम रहती है। उस पर से शून्य डिग्री सेल्सियस का जमा देने वाला तापमान। सबसे भयानक होता है पानी का दाब जो इंसानी हड्डियों को पल में चकनाचूर कर सकता है। यहां हर स्क्वेयर इंच पर 8 टन का दबाव होता है जो गहराई के साथ और भी ज्यादा बढ़ता जाता है। पानी का यह दबाव इंसानी शरीर पर इस तरह असर करता है कि ऐसा कोई भी हिस्सा जहां हवा भरी हो, वह बाकी नहीं रह जाता। धीरे-धीरे फेफड़े धंस जाते हैं और हड्डियां टूट जाती हैं। मारियाना ट्रेंच धरती की सबसे बाहरी सतह, क्रस्ट की सबसे गहरी जगह है। यह कितना गहरा है, इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि दुनिया के सबसे ऊंचे पर्वत माउंट एवरेस्ट को ट्रेंच के सबसे गहरे पॉइंट पर रख दिया जाए तो भी उसकी चोटी समुद्र स्तर से 7 हजार फीट नीचे ही रह जाएगी। दो टेक्टॉनिक प्लेटों- पैसिफिक और मारियाना- की टक्कर से मारियाना ट्रेंच बना है। इसमें एक प्लेट दूसरी के नीचे दब गई जिसकी वजह से पुराना और घना क्रस्ट नीचे की सतह मैंटल में धंस गया।

गहरे समंदर की इस अंजान दुनिया में पहली बार कदम रखा था ओशियनॉग्रफर जैक पीका और लेफ्टिनेंट डॉन वॉल्श ने। 23 जनवरी 1960 को Trieste नाम की सबमर्सिबल की खिड़की से बाहर झांकते हुए दोनों ऐसे नजारों के गवाह बने जो पहले किसी ने नहीं देखे थे। उनके अनुभव जानने के बेताब दुनिया के मन में सबसे बड़ा सवाल था कि

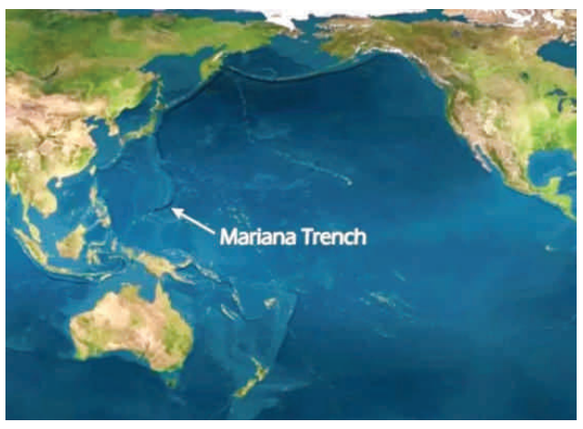

क्या इतनी गहराई, ठंडे पानी और भयानक दबाव में जीवन की संभावना है? चार घंटे और 47 मिनट में सतह पर पहुंचने पर रेत में हुई हलचल की वजह से दोनों कोई तस्वीर नहीं ले सके लेकिन उनकी आंखों ने जो देखा उस पर लंबे वक्त तक बहस चलती रही। जैक ने खिड़की को खिड़की से बाहर एक फ्लैटफिश नजर आई। उन्होंने फौरन वॉल्श को बताया। वॉल्श ने भी इस मछली को देखा और तभी नीचे से निकली रेत उनकी खिड़की के सामने आ गई। हालांकि, मरीन बायॉलजिस्ट्स ने दावा किया कि इतने दबाव में मछलियों का होना नामुमकिन है और पीका और जैक्स ने जो देखा वह कुछ और रहा होगा लेकिन अमेरिकी नौसेना के इन अनुभवी अफसरों ने साफ-साफ कहा कि जब तक वैज्ञानिक उन्हें गलत साबित नहीं कर देते वे यह मानते रहेंगे कि उन्होंने जो देखा वह मछली ही थी। इस मिशन के बाद भी यह सवाल बना रहा कि क्या मारियाना ट्रेंच में जीवन मुमकिन है।

...तो क्या यहां मुमकिन है जीवन?

मारियाना ट्रेंच पर जीवन के बारे में अभी बहुत ज्यादा जानकारी नहीं है लेकिन जीवन जरूर फल-फूल रहा है। वह बताते हैं, बिना रोशनी, एसिड, तापमान और दबाव जैसी स्थितियों में भी हैरान कर देने वाली संख्या में जीव यहां पाए जाते हैं। 200 से ज्यादा सूक्ष्मजीवियों से लेकर क्रस्टेशियन और ऐंफ़पॉड समेत सी क्युकूंबर, ऑक्टोपस और मछलियां यहां मौजूद हैं। साल 2014 में गुआम के पास सबसे गहराई में 8000 मीटर नीचे पाई जाने वाली स्नेलफिश की खोज की गई। जेम्स कैमरन ने जो तस्वीरें लीं उनमें एकदम गहराई में भी समुद्री जीवन देखा जा सका। इन पर वैज्ञानिक रिसर्च कर रहे हैं ताकि पता लगाया जा सके कि आखिर यहां जीवन कैसे मुमकिन है।

इन परिस्थितियों में भी कैसे पनप रहा है जीवन?

माना जाता रहा कि दबाव की वजह से कैल्शियम, जिससे हड्डियां बनती हैं, वह रह ही नहीं सकता है। बिना हड्डियों के मछलियों के जीवन पर भी सवाल बना रहा। हालांकि, डॉ. राम करन बताते हैं कि प्रकृति विज्ञान को हैरान करती रही है और मारियाना में स्नेलफिश का पाया जाना इसका सबूत है। उन्होंने बताया है, सतह के पास रहने वाली मछलियों में तैरने के लिए ब्लैडर होता है जिसमें हवा भरी होती है। इसकी मदद से वे ऊपर-नीचे करती हैं लेकिन गहराई में रहने वाली मछलियों में ये एयर-बैग नहीं होते हैं। इसलिए दबाव का इन पर असर नहीं होता। यही नहीं, यहां पाए जाने वाले जीवों में हड्डियों के अलावा कार्टिलेज पर ज्यादा निर्भरता होती है। इनके खोपड़ों में भी जगह खाली रहती है ताकि टूटने का खतरा कम हो। सबसे बड़ा बदलाव जेनेटिक स्तर पर हुआ है। किसी भी प्रक्रिया के लिए उनके शरीर में मौजूद प्रोटीन अपनी संरचना स्थिरता के साथ बदल सकें, इसके लिए जरूरी TMAO (ट्राईमिथिलअमीन-ऑक्साइड) को बनाने वाले जीन की स्नेलफिश में ज्यादा कॉपी पाई गईं। बर्फीले पानी में रहने के लिए इन जीवों में ऐसे फैट होते हैं जो जमते नहीं हैं।

इसके अलावा अंधेरा होने के बावजूद के बाद कुछ जीव तेज नजर पर भरोसा करते हैं तो कुछ स्पर्श और वाइब्रेशन की मदद लेते हैं। कुछ खुद की रोशनी पैदा करते हैं जिससे शिकार को पकड़ा जाता है और खुद शिकार होने से बचा जाता है। सूरज की रोशनी के बिना होने वाली खाने की कमी ऊपर से आने वाले मृत जीवों के अवशेषों से लेकर लकड़ी के टुकड़ों तक पर निर्भर करते हैं।

यहां रिसर्च में क्यों जुटे हैं वैज्ञानिक?

किसी भी ट्रेंच में छिपे रहस्यों को उजागर करने से दवाओं, खाद्य, ऊर्जा स्रोत जैसे उत्पाद तो मिल ही सकते हैं, भूकंप और सुनामी जैसी आपदाओं से बचने की तैयारी की जा सकती है। सबसे बड़े जिस सवाल का जवाब यहां छिपा हो सकता है वह है धरती के पर्यावरण में हो रहा बदलाव। इतने गहरे पानी, अंधेरे, दबाव और तापमान के हालात में रह रहे जीवों का विज्ञान हमें बता सकता है कि उनमें विकास कैसे हुआ। रिसर्चर्स को गहरे समुद्र में रहने वाले ऐसे सूक्ष्मजीवी मिले हैं जो ऐंटीबायॉटिक और ऐंटी-कैंसर दवाओं के काम आ सकते हैं। ऐसे में यहां रिसर्च से डायबिटीज के इलाज से लेकर लॉन्ड्री डिटर्जेंट जैसी जरूरतों तक को पूरा किया जा सकेगा।

ये है दुनिया का सबसे महंगा फैब्रिक, इससे बने मोजे की कीमत में खरीद सकते हैं सोना

इस दुनिया में सस्ती से सस्ती और महंगी से महंगी चीज मौजूद है। इसे खरीदने वाले भी अलग-अलग बजट के लोग होते हैं। कुछ लोग महंगी चीज खरीदना पसंद करते हैं तो कुछ लोगों को सस्ती और बजट के अंदर मिलने वाली चीज पसंद आती है। कुछ ब्रांड ऐसे हैं जिनकी वैल्यू बहुत ज्यादा होती है इसलिए यह महंगे मिलते हैं। आपने अब तक सस्ती से महंगी कई चीजों के बारे में सुना होगा। आप में से सभी लोगों ने सस्ते से महंगी हर तरह की चीजों की खरीदी की होगी और उनका उपयोग भी किया होगा। इस दौरान क्या आपने कभी सोचा है कि दुनिया में सबसे महंगा कपड़ा कौन सा होगा। अगर नहीं तो चलिए आज हम आपको दुनिया के सबसे महंगे फैब्रिक के बारे में बताते हैं। यह इतना ज्यादा महंगा है कि अगर आप इसके मोजे भी खरीदना चाहे तो आपको अपनी गाड़ी बेचनी पड़ सकती है।

विकुना है सबसे महंगा फैब्रिक

दुनिया के सबसे महंगे फैब्रिक की बात करें तो यह कोई और नहीं बल्कि विकुना है। इसकी कीमत का अंदाजा इससे बने हुए कपड़ों से आसानी से लगाया जा सकता है। आपको जानकर हैरानी होगी लेकिन इससे बने हुए मोजे की कीमत 80000 रुपए से शुरू होती है। अगर आपको इससे बनी टी-शर्ट खरीदनी है तो आपको लाखों रुपए चुकाने पड़ सकते हैं। शर्ट खरीदना हो तो यह कीमत 5 लाख से ऊपर जा सकती है। पैंट की कीमत 8 लाख से ज्यादा हो सकती है। वहीं अगर कोट खरीदना है तो शायद 11 लाख रुपए से ऊपर चुकाना होंगे।

कहां मिलता है

दुनिया का सबसे महंगा कपड़ा विकुना एक दुर्लभ ऊन है, जो दक्षिण अमेरिका के एंडीज पर्वतों में मिलता है। ये बहुत ही मुलायम, महीन और गर्म होता है। हालांकि, इससे बने कपड़े आम आदमी की पहुंच से बाहर है।

क्यों है महंगा

दुनिया का यह सबसे महंगा फैब्रिक ऊंट के ऊन से तैयार होता है। यह ऊंट आम नहीं होते बल्कि बहुत ही खास प्रजाति के होते हैं, जो धीरे-धीरे विलुप्त हो रहे हैं। 1960 में इन्हें दुर्लभ प्रजाति घोषित कर दिया गया था, जिसके बाद इन्हें पालने के नियम भी सख्त बना दिए गए थे। इस ऊंट से जो ऊन निकलता है वह 12 से 14 माइक्रोन मोटा होता है। यह इतना ज्यादा गर्म होता है कि सर्दी आपको छू भी नहीं सकती। हालांकि, एक कोट बनाने के लिए कम से कम 35 ऊंटों का ऊन निकलेगा तब जाकर कोट तैयार होगा। दुर्लभ प्रजाति के ऊंट के ऊन से तैयार होने के कारण ही यह फैब्रिक इतना महंगा है।

दुनिया का इकलौता देश जहां नहीं है एक भी अस्पताल

दुनिया में कई ऐसी अनोखी जगह हैं, जिनके बारे में बहुत सारे लोग नहीं जानते हैं। इनमें से एक ऐसा देश भी है, जहां पिछले 96 साल से एक भी बच्चा पैदा नहीं हुआ है। सबसे आश्चर्य की बात तो यह है कि यहां पर एक भी अस्पताल नहीं है। यह बात चौंकाने वाला है, लेकिन यह बिल्कुल सच है। घर में बच्चों की किलकारी ना गुंजे, तो घर सुना-सुना लगता है। कई बार अपने बड़े बुजुर्गों से हम दो, हमारे दो वाली कहावत भी सुनी होगी, लेकिन इस देश में आजतक कोई बच्चा जन्म नहीं लिया, तो आप बहुत सारी बातों को सोचने पर मजबूर हो गए होंगे कि आखिर बीमार पड़ने पर लोग क्या करते होंगे।मन में यह भी सवाल उठ रहे होंगे कि यदि यहां पर अस्पताल नहीं है, तो क्या यहां के लोग बीमार नहीं पढ़ते होंगे। यदि कोई मेडिकल इमरजेंसी आ जाए तो फिर यहां क्या होता है। किसी बच्चे का जन्म नहीं हुआ है तो जनसंख्या वृद्धि कैसे होगी। आइए आपको इसका जवाब बताते हैं।

वेटिकन सिटी

दरअसल, इस देश का नाम वेटिकन सिटी है, जो दुनिया का सबसे छोटा देश है। जनसंख्या की बात करें, तो यह करीब 800 के आसपास है। जिसे कैथोलिक चर्च द्वारा संभाल गया है। यहां रोमन कैथोलिक ईसाई धर्म के सभी धर्मगुरु रहते हैं। इस देश की स्थापना 11 फरवरी साल 1929 में किया गया था, तब से लेकर आज तक यहां पर एक भी बच्चा पैदा नहीं हुआ और ना ही यहां पर एक भी अस्पताल नहीं है। ऐसे में जब कोई व्यक्ति यहां पर बीमार पड़ जाता है या फिर इमरजेंसी हेल्थ केयर की जरूरत होती है, तो उन्हें इटली के अस्पतालों में भेज दिया जाता है।

किसी बच्चे का नहीं हुआ जन्म

यह देश रोम सिटी के बीचो-बीच है, जिसका क्षेत्रफल मात्र 111 एकड़ है। कई बार अस्पताल बनाने का अनुरोध भी किया गया, लेकिन हर बार इस प्रस्ताव को ठुकरा दिया गया। ऐसे में यहां कोई बीमार हो जाए या फिर कोई महिला गर्भवती होती है, तो उन्हें रोम के अस्पताल में भेज दिया जाता है। यही कारण है कि यहां अब तक किसी भी बच्चे ने जन्म नहीं लिया, क्योंकि यहां पर प्रसव कक्ष की कोई सुविधा नहीं है।

कैसे होता है बीमार लोगों का इलाज

वेटिकन सिटी में स्थानीय नागरिकता नहीं मिलती। यहां चर्च के अधिकारी, कार्डिनल्स, पादरी और स्विस गॉड्स रहते हैं, जिन्हें ब्रह्मचर्य का पालन करना पड़ता है। वहीं, जो लोग यहां काम करते हैं, वह भी अस्थाई रूप से ही यहां रहते हैं। जिनका परिवार आमतौर पर इटली या फिर अन्य देशों में रहता है। यही कारण है कि पिछले 96 सालों से कोई जन्म नहीं हुआ। मेडिकल इमरजेंसी के दौरान वेटिकन सिटी के अंदर एंबुलेंस की टीम मौजूद रहती है, जो रोम के अस्पतालों तक मरीजों को पहुंचाती है। इसके अलावा, यहां पर एक छोटा सा मेडिकल डिस्पेंसरी है, जहां प्राथमिक उपचार दिया जाता है। इसके साथ ही यहां दुनिया की सबसे पुरानी फार्मेसी स्थित है।

दुनिया का सबसे छोटा रेलवे स्टेशन

दुनिया का सबसे छोटा देश होने के साथ ही यहां का रेलवे स्टेशन भी सबसे छोटा है, जहां केवल दो ट्रैक है। इसकी लंबाई मात्र 300 मीटर है और एक स्टेशन है, जिसका नाम सिट्टा वेटिकनो है। इसका उपयोग केवल माल परिवहन के लिए किया जाता है। यहां लोगों के लिए ट्रेन नहीं चलाई जाती है।

राइटर्स-डायरेक्टर्स के साथ काम करना ज्यादा पसंद

आमिर खान हमेशा से कहानी पर ध्यान देते आए हैं, न कि सिर्फ को-स्टार्स के साथ काम करने पर। उनका कहना है कि उनकी सोच हमेशा राइटर्स और डायरेक्टर्स के करीब रही है, क्योंकि वही एक फिल्म की असली जान होते हैं।

फिल्म सिर्फ स्टार्स के दम पर नहीं चलती, उसके विजन और क्रिएटिविटी से बनती है इंस्टेंट बॉलीवुड को दिए इंटरव्यू में आमिर ने फिल्ममेकिंग को लेकर अपनी सोच साझा की। उन्होंने कहा, बहुत सारे एक्टर्स के साथ काम करके मजा आया, लेकिन मुझे ज्यादा एक्साइटमेंट कहानी लिखने वाले और डायरेक्शन संभालने वालों के साथ काम करने में मिलती है। मेरा ध्यान हमेशा कहानी पर होता है, न कि इस बात पर कि अगला को-स्टार कौन होगा। अगर कोई एक्टर रोल के लिए फिट नहीं है, तो सिर्फ मजा लेने के लिए उसके साथ काम नहीं करूंगा। आमिर का मानना है कि एक फिल्म सिर्फ स्टार्स के दम पर नहीं चलती, बल्कि उसके विजन और क्रिएटिविटी से बनती है। उन्होंने कहा, अगर मैं गलत हूं तो मुझे भी एक कदम पीछे हटना चाहिए। मेरा मकसद सिर्फ एक अच्छी फिल्म बनाना है, जो अपने आप में एक नया नजरिया लाए।

नए टैलेंट को मौका देने का इरादा

आमिर सिर्फ एक एक्टर ही नहीं, बल्कि एक प्रोड्यूसर भी हैं, जो नए टैलेंट को प्लेटफॉर्म देना चाहते हैं। उनका कहना है, मेरा मकसद नए लोगों को मौका देना है। मैं ऐसे सब्जेक्ट्स पर काम करना चाहता हूं जो हटकर हों, जो सिर्फ एक्शन या मसाला फिल्में न हों। हर कोई एक्शन फिल्म बना सकता है, लेकिन एक अलग कहानी लाना सबके बस की बात नहीं। इसीलिए मैं और ज्यादा फिल्मों का निर्माण करना चाहता हूं, ताकि नए कलाकारों और राइटर्स को एक अच्छा प्लेटफॉर्म मिल सके।

गौरी से रिश्ते की चर्चा

आमिर खान अपनी प्रोफेशनल लाइफ के साथ-साथ पर्सनल लाइफ को लेकर भी सुर्खियों में रहते हैं। अपने 60वें जन्मदिन पर, उन्होंने मीडिया के सामने अपनी नई गर्लफ्रेंड गौरी को इंट्रोड्यूस किया। गौरी बेंगलुरु की रहने वाली हैं और पेशे से एक लेखक हैं। दोनों की मुलाकात एक कॉमन फ्रेंड के जरिए हुई थी, और तब से वे एक-दूसरे के करीब आ गए हैं। आमिर के इस नए रिश्ते ने फैंस और मीडिया के बीच काफी चर्चा बटोरी है।

मैं सफलता या असफलता को ज्यादा महत्व नहीं देती

सफलता और असफलता के बारे में बोलते हुए उन्होंने कहा, मैं सफलता या असफलता को ज्यादा महत्व नहीं देती। यह हमारे जीवन का हिस्सा है। मुझे लगता है कि हम अपनी सफलता को बहुत बढ़ा-चढ़ाकर बताते हैं और असफलता पर बहुत जोर देते हैं। जबकि आपके दैनिक जीवन का प्रभाव और इरादा महत्वपूर्ण है। एक ऐसी अभिनेत्री होने के नाते, जिसने छह भाषाओं में काम किया है, एक ऐसी अभिनेत्री जिसने बच्चों के जन्म के कारण ब्रेक लिया, मुझे याद है कि लोग मुझसे कहते थे, ओह, तुम 10 साल बाद फिल्मों में वापस आना चाहती हो, यह काम नहीं करेगा, लेकिन मेरी वापसी वाली फिल्म एक कल्ट बन गई। हमें लोगों की बात नहीं सुननी चाहिए। जेनेलिया ने मातृत्व और स्टारडम के बीच के अंतरसंबंध के बारे में भी खुलकर बात की, इस बात पर जोर देते हुए कि कैसे उन्होंने अपने एक दशक के ब्रेक के दौरान अपने बच्चों को प्राथमिकता दी। उन दस सालों के दौरान, मैं खुद पर, अपने बच्चों पर ध्यान केंद्रित कर रही थी, और मुझे याद है कि रितेश ने मुझसे कहा था कि हमें अपने बच्चों को सक्षम बनाना होगा। मैं एक मांसाहारी हूँ और मुझे आसानी से प्रोटीन लेने की आदत है, इसलिए मुझे इससे जूझना पड़ा। यहीं से इमेजिन का जन्म हुआ। यह हर उस फ्लेक्सिटेरियन के लिए है, जो हफ़्ते में पाँच दिन मांस खाता है, लेकिन हफ़्ते में दो बार अन्य विकल्प चुनता है। यहाँ तक कि जब शाकाहारी खाने की बात आती है, तो प्रोटीन सेवन की बात आती है तो हमारे पास चुनने के लिए बहुत कम विकल्प होते हैं। इसने मुझे और रितेश को एक स्थाई विकल्प बनाने के लिए प्रेरित किया। पैनल में मसाबा गुप्ता, मेघना घई पुरी, अनन्या बिड़ला, अश्विनी अय्यर तिवारी और अन्य जैसे उल्लेखनीय नाम शामिल थे, जिन्होंने महत्वाकांक्षा और कल्याण के बीच नाजुक संतुलन का पता लगाया। जेनेलिया की यात्रा द्रढ़ता, अपनी देखभाल और सामाजिक अपेक्षाओं के बावजूद अपने जुनून के प्रति सच्चे रहने का प्रमाण है।

किस किसको प्यार करूं 2 से दूल्हा बन हंसाने को तैयार कपिल शर्मा

अभिनेता-कॉमेडियन कपिल शर्मा 'किस किस को प्यार करूं' के बाद अब किस किसको प्यार करूं 2 लेकर आ रहे हैं। ईद के मौके पर अभिनेता ने अपकमिंग फिल्म का फर्स्ट लुक जारी कर दिया, जिसमें कॉमेडी किंग' दूल्हे के लिबास में नजर आए। इंस्टाग्राम पर 'किस किस को प्यार करूं 2' का पोस्टर शेयर करते हुए कपिल शर्मा ने प्रशंसकों को ईद की मुबारकबाद देते हुए कैप्शन में लिखा, ईद मुबारक दोस्तों, केकेपीके2। वहीं, शेयर किए गए पोस्टर में कपिल दूल्हा के रूप में नजर आए। वह सिर पर सेहरा लगाए दिखे और उनके चेहरे पर हैरत के भाव हैं। शर्मा के साथ पोस्टर में घूंघट काढ़े दुल्हन भी है।

कपिल शर्मा और मनजोत सिंह स्टारर फिल्म के साथ कपिल शर्मा कॉमेडी की दुनिया में वापस ले जाने के लिए तैयार हैं। अनुकल्प गोस्वामी के निर्देशन में तैयार 'किस किसको प्यार करूं 2' का निर्माण रतन जैन, गणेश जैन और अब्बास-मस्तान ने वीनस वर्ल्डवाइड एंटरटेनमेंट के तहत अब्बास मस्तान फिल्म प्रोडक्शन के सहयोग से किया है। फिल्म की पहली किस्त 'किस किस को प्यार करूं' साल 2015 में रिलीज हुई थी। अब्बास मस्तान के निर्देशन में बनी कॉमेडी फिल्म में कपिल शर्मा के साथ अरबाज खान, मंजरी फडनवीस, सिमरन कौर मुंडी, एली अवराम, वरुण शर्मा, सुप्रिया पाठक, शरत सक्सेना और मनोज जोशी अहम भूमिकाओं में हैं। फिल्म एक ऐसे व्यक्ति के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसे परिस्थितिवश तीन लड़कियों से शादी करनी पड़ती है। तीनों एक ही इमारत में रहती हैं। हालांकि, उन्हें पता नहीं होता कि उनके पति एक ही हैं। फिल्म में नया मोड़ तब आता है, जब उसकी तीनों पत्नियां उसकी चौथी शादी में शामिल होती हैं और भांडा फूट जाता है। कॉमेडी किंग के नाम से मशहूर कपिल शर्मा कॉमेडी के साथ ही अभिनय जगत में भी अच्छा खासा नाम कमा चुके हैं। साल 2015 में शुरुआत के बाद वे 'फिरंगी' और 'ज्विगाटो' में भी नजर आए थे। कपिल बेहतरीन गायक भी हैं।

उगादी पर चिरंजीवी ने शुरू की मेगा 157 की शूटिंग

मेगास्टार चिरंजीवी ने अपनी आगामी फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है, जिसका संभावित नाम मेगा 157 है। अभिनेता ने इस फिल्म के लिए निर्देशक अनिल रविपुडी के साथ मिलकर काम किया है। चिरंजीवी ने उगादी के अवसर पर फिल्म के सेट से कई तस्वीरें पोस्ट कीं, जो नई शुरुआत का प्रतीक है। फिल्म को अभिनेता वेंकटेश दग्गुबाती ने लॉन्च किया, जिन्होंने पहले फिल्म के क्लैपबोर्ड के साथ पोज दिया और फिर मेगास्टार के साथ गले मिले। चिरंजीवी ने मेगा 157 के पूजा समारोह से कई तस्वीरें साझा कीं। तस्वीरों को साझा करते हुए उन्होंने लिखा, उगादी के इस खुशी के अवसर पर मैं अद्भुत निर्देशक अनिल रविपुडी, निर्माता साहू गरपति, सुष्मिता कोनिडेला और मेगा 157 की पूरी टीम के साथ अपनी यात्रा शुरू करने में खुश हूं। इस कार्यक्रम की शोभा बढ़ाने के लिए मेरे प्रिय वेंकटेश दग्गुबाती और इंडस्ट्री के मेरे सभी दोस्तों का बहुत-बहुत धन्यवाद।

हालांकि बाकी कलाकारों के बारे में अभी कोई जानकारी नहीं दी गई है, लेकिन अदिति राव हैदरी या परिणीति चोपड़ा के फिल्म में मुख्य भूमिका निभाने की संभावना है। इस बारे में आधिकारिक पुष्टि का इंतजार है। रिपोर्ट के अनुसार, मेगा 157 में कॉमेडी, इमोशनल और हाई-ऑक्टेन एक्शन का तड़का लगेगा।

फिल्म में चिरंजीवी का किरदार

अनिल रविपुडी द्वारा लिखित इस फिल्म में चिरंजीवी शंकर वरप्रसाद की भूमिका में हैं। तकनीकी टीम में सिनेमैटोग्राफर के रूप में समीर रेड्डी, संगीत को संभालने वाले भीम्स सेसिरोलेओ और संपादक के रूप में तम्मीराजू शामिल हैं। वहीं, चिरंजीवी की अगली फिल्म विश्वंभरा है। पहले यह फिल्म जनवरी 2025 में रिलीज होने वाली थी, लेकिन अब इसकी रिलीज डेट बढ़ाकर मई 2025 कर दी गई है।

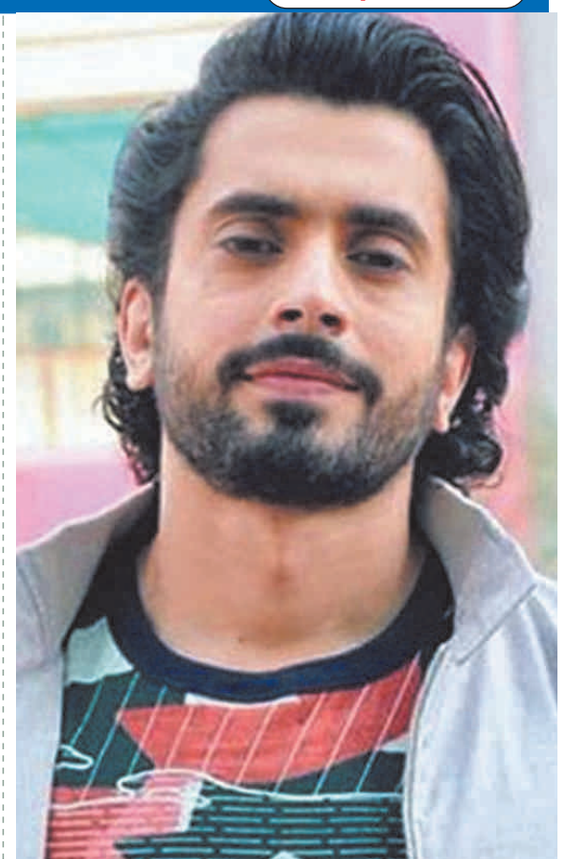

मैं हमेशा से हॉरर कॉमेडी करना चाहता था

अपनी आगामी फिल्म भूतनी के ट्रेलर लॉन्च पर अभिनेता सनी सिंह ने कहा कि वह हमेशा से हॉरर कॉमेडी करना चाहते थे। नी सिंह, मौनी रॉय, पलक तिवारी, संजय दत्त, निक और आसिफ खान 'द भूतनी' में नजर आएंगे। फिल्म का ट्रेलर फैंस को पसंद आ रहा है। कॉमेडी और हॉरर का मिक्सअप इस फिल्म में देखने को मिलेगा। ल्म के बारे में अपनी उत्सुकता साझा करते हुए सनी ने कहा, मैं हमेशा से हॉरर कॉमेडी करना चाहता था। जब मैंने स्क्रिप्ट पढ़ी और सिद्धांत सचदेव से मिला, तो मुझे पूरा कॉन्सेप्ट पसंद आया। संजू सर के साथ, मुझे पता था कि यह एक अविस्मरणीय अनुभव होगा। द्धांत सचदेव द्वारा निर्देशित और दीपक मुकुट और संजय दत्त द्वारा बनाई गई यह हॉरर-कॉमेडी एक भरपूर मनोरंजन करने का वादा करती है। नी ने कहा कि लोगों को फिल्म का पोस्टर बहुत पसंद आया है और मुझे भी। हर हॉरर कॉमेडी अनोखी होती है, लेकिन यह कॉन्सेप्ट पहले देखी गई किसी भी चीज से अलग है। इसे खूबसूरती से शूट किया गया है, और मेरे दोस्त पहले से ही उत्साहित हैं। दर्शकों ने पहले भी मेरी फिल्मों में मुझे पसंद किया है, और मुझे लगता है कि इस बार भी वे मुझे उतना ही प्यार देंगे। यह फिल्म 18 अप्रैल को रिलीज होगी।

सनी ने 2007 में धारावाहिक कसौटी जिंदगी की टेलीविजन पर अपनी शुरुआत की, जिसमें उन्होंने कृतिका सेंगर द्वारा निभाए गए किरदार के प्रेमी की भूमिका निभाई। इसके बाद, उन्होंने 2009 के धारावाहिक शकुंतला में करण की भूमिका निभाई। ह ने अपने फिल्मी करियर की शुरुआत 2010 में पाठशाला से की थी, जिसमें उन्होंने शाहिद कपूर के साथ काम किया था। 2011 में उन्होंने मधुर भंडारकर की कॉमेडी फिल्म दिल तो बच्चा है जी में काम किया, जिसमें उन्होंने एक छोटी सी भूमिका निभाई थी। उनकी पहली प्रमुख भूमिका रोमांटिक ड्रामा आकाश वाणी में थी। न्होंने प्यार का पंचनामा 2 में कार्तिक आर्यन के साथ काम किया।

जम्मू की रहने वाली सादिया खतीब ने कभी सोचा नहीं था कि वह हीरोइन बनेंगी, मगर उनकी किस्मत उन्हें ग्लैमर जगत में ले आई। शिकारा से अपने करियर की शुरुआत करने वाली सादिया रक्षा बंधन में अक्षय कुमार की बहन बनीं और अब जॉन अब्राहम की द डिप्लोमैट में उज्मा अहमद का वास्तविक किरदार निभा रही हैं। उनसे एक खास बातचीत।

महिलाओं को अपने अधिकार पता होने चाहिए, हम मर्दों से कमतर नहीं

फिल्मों में आप लगातार महिलाओं की आवाज बन रही हैं, हाल ही में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस भी था, आपके लिए फेमिनिज्म क्या है?

मुझे लगता है मेरे लिए फेमिनिज्म यही है कि हम महिआलों को अपने अधिकार पता होने चाहिए। औरतों को अपने कानूनी अधिकारों की जानकारी होनी चाहिए, अपने मजहबी हक का पता होना चाहिए। आपको अगर अपने इन तमाम राइट्स की जानकारी हो, तभी आप कुछ बात कर सकते हैं। मैं मानती हूं कि मैं मर्द नहीं हूं। मैं 200 किलो नहीं उठा सकती, मगर यदि मैं डेस्क पर काम कर रही हूं, तो मुझे भी मेल एम्प्लॉइज की तरह बराबरी का पैसा मिलना चाहिए। मेरे लिए महिलावाद के मायने हैं, समान अवसर और समान पैसे। साथ ही मैं ईक्वल रिस्पेक्ट भी चाहूंगी। कोई भी धर्म या संविधान हमें सेकंड क्लास सिटीजन की श्रेणी में नहीं रख सकता। हम ईक्वल हैं। हम भले मर्दों से अलग हैं, मगर हम उनसे कमतर नहीं हैं।

एक लड़की होने के नाते क्या आपने कभी हीनता महसूस की है?

मुझे लड़की होने के नाते भी ह्युमिलिएट होता है, जब हमें कमतर साबित करवाया जाता है। जब कभी काम की जगह पर आपको आपके जेंडर के कारण कमतर महसूस करवाया जाता है, तो बहुत हीन महसूस होता है। अगर हमें काम पर रखा गया है, तो इसका मतलब ये नहीं है कि हमें खरीद लिया गया है। हम उस काम को करने के लिए बाध्य हैं, जिसके पैसे हमें दिए जा रहे हैं। हम दूसरी किसी चीज के लिए बाध्य नहीं हैं। जब लोगों को लगता है कि उन्होंने आपको मौका दिया है और वे आपसे कुछ भी करवा सकते हैं, तो ये मुझे बहुत बुरा लगता है। इससे औरत की इंटीग्रिटी को आघात पहुंचता है।

आपके करियर की शुरुआत जाने-माने फिल्मकार विधु विनोद चोपड़ा की शिकारा से हुई, आपने उनसे क्या सीखा?

मुझे लगता है सिनेमा की एक संपूर्ण समझ विधु विनोद चोपड़ा जी से ही मिली। किरदार में नैचुरल रहना उन्होंने ही सिखाया। उनसे मैंने जाना कि एक किरदार की रिदम को कैसे बनाए रखते हैं। मैं उन्हें अपना पहला गुरु मानती हूं। वो हमेशा कहते थे कि एक्टर को अपने इंट्यूशन पर यकीन रखना चाहिए ,उसे हमेशा अपने फ्लो के साथ बहना चाहिए। फिल्म का जो भी रिजल्ट रहा हो, मगर आज भी मुझे मौका मिले, तो मैं शिकारा के सेट पर दोबारा जाना चाहूंगी।

आप कश्मीर से हैं, तो कश्मीर की इस कहानी से कितना जुड़ पाईं?

सच कहूं, तो मेरे अपीयरेंस के अलावा उस किरदार में मेरा अपना कुछ भी नहीं था। शिकारा की कहानी नब्बे के दशक की थी और तब मैं पैदा भी नहीं हुई थी। जब तक मैं पैदा हुई तब तक फिल्म में दर्शाया हुआ माहौल खत्म हो गया था।

मैं जम्मू से हूं और जहां मैं पली-बढ़ी हूं, वहां हमारी पढ़ाई को-एड में हुई है। जहां पर कश्मीरी पंडित, कश्मीरी मुस्लिम सारे धर्म के लोग साथ मिलकर रहते हैं। मैंने अपनी जिंदगी में ऐसा कुछ अनुभव नहीं किया, जैसा फिल्म में दिखाया गया है। मैंने भी सिर्फ कहानियां सुनी हैं, मैं तो आज के दौर की जेनज़ी लड़की थी, जो सेट पर इधर -हर मस्ती किया करती थी।

आपने जब अक्षय कुमार के साथ रक्षा बंधन में उनकी बहन का रोल करना स्वीकार किया तो क्या तब आपको बहन की भूमिका में टाइपकास्ट हो जाने का डर नहीं था?

-बिलकुल, जब मैंने फिल्म फिल्म साइन की, तो हर किसी ने यही कहा कि मैं बहन क्यों बन रही हूं, कहीं मुझ पर बहन का ठप्पा न लग जाए, मगर ये समस्या तब होती, जब मैं किसी लव स्टोरी में बहन की भूमिका कर रही होती। रक्षा बंधन की कहानी कोई प्रेम कहानी नहीं थी, यह तो भाई-बहन की कहानी थी, जिसमें मेरा सेंट्रल कैरेक्टर था और यह बात मुझे अक्षय सर ने ही समझाई थी। सच कहूं, मुझे ये टाइपकास्ट वाली बात जंचती नहीं। हो सकता है एकाध साल तक लोग आपको उस रूप में देखें, मगर फिर आपका काम सामने आ ही जाएगा।

आईटी समाधान से नगरीय विकास कर संग्रह में ऐतिहासिक उछाल

जयपुर। नगरीय विकास कर (यूडी टैक्स) संग्रह में सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) समाधान के प्रभावी उपयोग से कई शहरों में राजस्व में बहुगुणा वृद्धि दर्ज की गई है। भरतपुर, अलवर, कोटपुतली और जोधपुर जैसे शहरों में कर संग्रह में ऐतिहासिक उछाल आया है, जिससे शहरी निकायों की वित्तीय स्थिति मजबूत हुई है। भरतपुर में यूडी टैक्स संग्रह 80 लाख से बढ़कर 12 करोड़ तक पहुंच गया है, जबकि जोधपुर में यह राशि 26 करोड़ तक पहुंची। कोटपुतली में कर संग्रह 8 लाख से बढ़कर 1.80 करोड़ हो गया, वहीं अलवर में यह आंकड़ा 1.9 करोड़ से बढ़कर 4 करोड़ हो गया। राजस्व में इस उल्लेखनीय वृद्धि का मुख्य कारण डिजिटल मॉनिटरिंग, डेटा एनालिटिक्स, ऑनलाइन भुगतान प्रणाली और आईटी-आधारित पारदर्शिता को बताया जा रहा है। नगरीय विकास विभाग द्वारा लागू आईटी समाधान ने करदाताओं के लिए प्रक्रिया को सरल और सुगम बना दिया है, जिससे राजस्व संग्रह में तेजी आई है। नगरीय विकास मंत्री ने इस उपलब्धि को विभाग की एक बड़ी सफलता बताया और कहा कि डिजिटलीकरण और पारदर्शिता को और अधिक बढ़ावा देकर नगरीय विकास कर संग्रह को राज्य स्तर पर एक साथ लागू कर नए आयाम दिए जाएंगे।

डीग जिले में घर में घुसकर 12 से अधिक अज्ञात हमलावरों ने की फायरिंग, मां-बेटी घायल, जयपुर रैफर

डीग। भरतपुर संभाग के डीग जिले के कामा कस्बे में सोमवार शाम को अज्ञात हमलावरों ने एक घर में घुसकर फायरिंग कर दी। इस घटना में मां और सात माह की मासूम बेटी छर्रे लगने से घायल हो गईं। दोनों को तुरंत कामां के उपजिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें भरतपुर के आरबीएम अस्पताल रेफर कर दिया गया।

घटना का विवरण –पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, तीर्थराज विमल कुण्ड स्थित बड़ी परिक्रमा मार्ग निवासी बंटी गुर्जर पुत्र सीताराम गुर्जर के घर पर यह हमला हुआ। बंटी गुर्जर मूल रूप से हरियाणा के पुन्हाना थाना क्षेत्र के गांव सीहरी का निवासी है। हमलावरों की गोलीबारी में उसकी पत्नी सोनिया गुर्जर और सात माह की बेटी किट्टू घायल हो गईं।

घटना की सूचना मिलते ही थाना प्रभारी अनिल गौतम मौके पर पहुंचे और जांच शुरू की। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि बंटी गुर्जर का दोपहर में बिलौंद और अन्य गांव के कुछ लोगों से विवाद हुआ था। पुलिस को आशंका है कि यह फायरिंग उसी विवाद से जुड़ी हो सकती है।

घायलों की हालत गंभीर – घायल मां-बेटी का भरतपुर आरबीएम अस्पताल में इलाज चल रहा है। सात माह की बच्ची की हालत गंभीर बताई जा रही है। हालांकि, परिवार के सदस्य फिलहाल इस मामले में ज्यादा जानकारी देने से बच रहे हैं।

पुलिस कर रही हमलावरों की तलाश – कामा सीओ धर्मराज चौधरी ने बताया कि पुलिस घटना के पीछे की वजह का पता लगाने और हमलावरों को पकड़ने के लिए लगातार छापेमारी कर रही है। फिलहाल, इस गोलीकांड के पीछे की असली वजह का खुलासा नहीं हो पाया है। घटना में घायल हुई मां बेटी को जिला आरबीएम अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां पर उनकी हालत गंभीर होने पर उन्हें जयपुर के लिए रेफर कर दिया गया है

कमजोर वर्गों के कल्याण के लिए किया गया कार्य ही सच्चा : असवाल

जयपुर। गीता एण्ड जेपी असवाल एंड संस चैरिटेबल ट्रस्ट की ओर से सामाजिक सरोकारों के तहत समाज के वंचित लोगों के लिए सहायता उपलब्ध कराई गई। बाल कल्याण समिति, मालवीय नगर में अनाथ बच्चियों को भोजन सामग्री एण्ड मिठाई वितरित की गई। पूर्व एडीजीपी एवं ट्रस्ट अध्यक्ष जेपी असवाल ने कहा कि समाज में वंचित और कमजोर वर्गों के कल्याण के लिए किया गया कार्य ही सच्चा कार्य है। उन्होंने कहा कि मानवता की सेवा ही सच्ची सेवा है। ट्रस्टी गीता असवाल ने बच्चियों के सार्वभौमिक विकास के लिए उचित पोषण एवं भावनात्मक लगाव पर प्रकाश डाला। इसी तरह भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति केंद्र में भी भोजन सामग्री एंव मिठाई वितरित की गई। इस अवसर पर वरिष्ठ अधिवक्ता एवं ट्रस्टी संजय असवाल ने जीवन में शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि शिक्षा से ही जीवन में मुकाम हासिल हो सकता है।

उन्होंने कहा कि समाज के वंचित वर्ग के लिए हमेशा करूणा का भाव रहना चाहिए। गौरतलब है कि ट्रस्ट की ओर से प्रति वर्ष समाज के विभिन्न जरूरतमंद वर्गों, बच्चों, निशक्तजन के लिए किताबें, स्टेशनरी, शिक्षा, मुफ्त कोचिंग, भोजन सामग्री एवं मिठाई इत्यादि मुहैया करवाई जाती है।

फ्लैट में लगी आग, दम घुटने से बुजुर्ग की मौत

जयपुर। शिप्रापथ थाना इलाके में एक फ्लैट में आग लगने से 66 वर्षीय बुजुर्ग की मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक बुजुर्ग की मौत हो चुकी थी। प्रारंभिक जांच में पुलिस ने दम घुटने से मौत की आशंका जताई है। पुलिस ने बताया कि मृतक विद्यारत्न शर्मा महारानी फार्म पुलिया के पास स्थित फ्लैट में अकेले रहते थे और हार्डवेयर का काम करते थे। उनकी पत्नी का पांच साल पहले निधन हो गया था। इनका बेटा जगतपुरा में रहता है। रविवार सुबह करीब पांच बजे स्थानीय लोगों ने फ्लैट से धुआं निकलते देखा और तुरंत पुलिस व दमकल को सूचना दी। दमकलकर्मियों ने बताया कि आग से कमरे में रखा पलंग, पर्दे और अन्य सामान जल गया। करीब 15 मिनट में आग पर काबू पा लिया गया। पुलिस को पलंग के पास सिगरेट मिली है, जिससे आग लगने की संभावना जताई जा रही है। हालांकि, आग लगने के सही कारणों का अभी पता नहीं चल सका है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए जयपुरिया अस्पताल भिजवाया, जहां से परिजनों को सौंप दिया गया।

अग्रवाल समाज घासी बाजार झुला शाखा की महिला समिती की गणगौर पुजन सम्पन्न

हैदराबाद (एजन्सी),

अग्रवाल समाज की घासी बाजार झुला शाखा की महिला समिती द्वारा श्री राणी सती दादी मन्दिर में एक दिवससीय सामुहिक गणगौर पुजन कार्यक्रम रख़ा गया . जिसमें 175 के करीब सुहागिनौ ने ईसर व गणगौर का पूजन किया .

सभी आगंतुक महिलाऔं कौ सुहाग के प्रतिक उपहार स्वरुप दिये गये. .इस अवसर पर समिती की मुख्य संयोजिका शरमिला अग्रवाल सहित सहसंयौजिका मीना अग्रवाल,पूजा संघी मीनू अग्रवाल सारिका अग्रवाल व हेमा अग्रवाल भी उपस्थित थी. कार्यक्रम के समापन पर शाखाध्यक्ष गौविंराम पचेरिया उपाध्यक्ष यौगेन्द्र कटारुक परामर्रश दाता अनिल धरसुवाला उपस्थीत थे।.

7 अप्रैल को निशुल्क चिकित्सा जाँच शिविर

हैदराबाद (एजन्सी),

राधे राधे ग्रूप, हैदराबाद एवं आरजे इंसप्यारेशंन हैंदराबाद के संयुक्त तत्वावधान में आगामी 7 अप्रैल को नामपल्ली स्थित पोट्टी श्रीरामलू तेलुगू विश्वविद्यलाय के पीएसटीयू मुख्य सभागार में मेगा निशुल्क चिकित्सा जाँच शिविर तथा गरीब विद्यार्थियों को शिक्षा के लिए चैक वितरित कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा।

निशुल्क चिकित्सा जाँच शिविर दोपहर 2 बजे से 5 बजे तक आयोजित किया जाएगा उसके पश्चात जरूरतमंद विद्यार्थियों को प्रोहत्सान राशि के चैक वितरित किये जाएगे। चैक वितरण कार्यक्रम में तेलगांना के चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री दामोदर राजनरसिम्हा, तेलगांना के महिला एवं बाल कल्याण मंत्री अनसूया दानाश्री, आंध्र प्रदेश एवं तेलगांना के आयकर आयुक्त जीवनलाल लावडिया तथा फिल्म अभिनेत्री सुमन तलवार मुख्य अतिथि के रूप में भाग लेंगे। कार्यक्रम में डा सुचित्रा रेड्डी (पेद्दी राकेश रेड्डी फाउंडेशन) ,श्रीमति वनश्री गोयंका, सतीश कुमार गुप्ता, जगतनारायण अग्रवाल, रामप्रकाश अग्रवाल, उमा कार्तिक एवं महेश अग्रवाल सम्मानीय अतिथि के रूप में भाग लेंगे। निशुल्क चिकित्सा जाँच शिविर में नगरद्वय के प्रसिद्ध डाक्टर अपनी सेवाएँ देंगे।

राधे-राधे ग्रुप, भाग्यनगर द्वारा नित्य अन्नप्रसाद (नाश्ता) सेवा

हैदराबाद (एजन्सी),

राधे-राधे ग्रुप, भाग्यनगर द्वारा नित्य अन्नप्रसाद (नाश्ता) सेवा पूर्वाह्न पब्लिक गार्डन, पिलर-ए1265, नामपल्ली पर की गई। चैत्र मास, शुक्ल पक्ष, चतुर्थी तिथि व स्वर्गीय श्रीमती भागीरथीबाई जी गोयल की की पुण्य तिथि पर (श्री मुन्नालालजी सूरजभानजी गोयल परिवार) द्वारा सेवा की गई।

अवसर पर सतीश गुप्ता आशा अग्रवाल सुनीता अग्रवाल जगत नारायण अग्रवाल कीर्ति गोयल गोपाल गोयल ई. जगन महेश गुप्ता सुशील गुप्ता संजय गोयल मायारामजी अग्रवाल नंदकिशोर अग्रवाल भगतराम गोयल राजेश योगा सरजी रोहित अग्रवाल अशोक गुप्ता एस.जे समीर गोयल और अन्य राधे-राधे समूह के सदस्य उपस्थीत थे।

रिम्स सुपर स्पेशियलिटी में गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट उपलब्ध

आदिलाबाद, (एजन्सी):

सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल में गैस्ट्रोएंटरोलॉजी सेवाओं का उद्घाटन मंगलवार को रिम्स निदेशक डॉ. जयसिंह राठौड़, रिम्स अस्पताल अधीक्षक डॉ. अशोक, डॉ. सत्यनारायण, आरएमओ डॉ. चंपत राव ने किया। इस अवसर पर राजीव गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान के निदेशक जयसिंह राठौड़ ने कहा कि रिम्स अस्पताल में अब तक तीन प्रकार की चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध हैं। उन्होंने बताया कि मंगलवार को रीम्स सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल में गैस्ट्रोएंटरोलॉजी सेवाएं उपलब्ध करा दी गई हैं। अब तक सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल में न्यूरोसर्जरी, यूरोलॉजी, कैंसर और बाल चिकित्सा सर्जरी की सुविधा उपलब्ध है।उन्होंने कहा कि चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध करा दी गई हैं। उन्होंने कहा कि लोगों को हैदराबाद, यवतमाल, नागपुर जैसे अन्य स्थानों पर जाने की जरूरत नहीं है। निदेशक ने कहा कि सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल में जांच और ऑपरेशन के लिए आवश्यक सभी प्रकार के उपकरण और मशीनें उपलब्ध हैं। उन्होंने बताया कि गैस्ट्रोएंट्रोलॉजिस्ट डॉ. विवेक राठौड़ मंगलवार और गुरुवार को चिकित्सा सेवाएं देने के लिए उपलब्ध रहेंगे। उन्होंने कहा कि ओ.पी. सेवाएं उपलब्ध होंगी और आदिलाबाद जिले के लोगों को इन सेवाओं का लाभ उठाना चाहिए।

शिक्षा अधिकारी प्रणिता को उनकी सेवानिवृत्ति पर बधाई एवं भावभीनी विदाई दी गई

आदिलाबाद (एजेंसी)

केसीबी गार्डन में आयोजित सेवानिवृत्ति सम्मान समारोह में श्यामला देवी, आरडीओ विनोद कुमार, निर्मल जिला शिक्षा अधिकारी रामा राव, जनगांव जिला शिक्षा अधिकारी एडी दर्शनम भोजना, पूर्व बोध विधायक राठौड़ बापूराव, जिला अधिकारी एससी कल्याण अधिकारी सुनीता डीपीआरओ तिरुमला, आईसीडीएस अधिकारी मिल्का, जिले के एमईओ, प्रिंसिपल, विभिन्न शिक्षक संघों के नेता, शिक्षक और शिक्षिकाएं शामिल हुए। इससे पहले जिला कलेक्टर राजर्षि शाह ने कैंप कार्यालय में शिक्षा अधिकारी प्रणिता को शॉल ओढ़ाकर व स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया।इस अवसर पर बोलते हुए अतिरिक्त कलेक्टर ने कहा कि प्रत्येक कर्मचारी के लिए सेवानिवृत्ति अनिवार्य है और उन्होंने पिछले साढ़े तीन वर्षों से शिक्षा विभाग में अपनी सेवाएं देकर सभी का सम्मान अर्जित किया है तथा उनकी सेवाएं स्मरणीय हैं।इसके बाद संबंधित अधिकारियों और शिक्षकों ने अपने अनुभव साझा किए।उन्होंने कहा कि वह अपना शेष जीवन अच्छे स्वास्थ्य और खुशीशी के साथ बिताएं।

बाबा साहब का संपूर्ण जीवन समतामूलक समाज की स्थापना व लोक-कल्याण के लिए रहा समर्पित : डॉ. प्रेमचंद बैरवा

जयपुर। उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा सोमवार को अलवर जिले के एक दिवसीय दौरे पर रहे, यहां उन्होंने मालाखेड़ा तहसील के ग्राम सुमेल में डॉ. भीमराव अंबेडकर की मूर्ति का अनावरण कर पुष्पांजलि अर्पित की। उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने मूर्ति अनावरण कार्यक्रम में बाबा साहब को नमन करते हुए कहा कि आज महाराजा भर्तृहरि की ऐतिहासिक पावन धरा पर भारत रत्न एवं आधुनिक भारत के शिल्पकार डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा का अनावरण हुआ है। इससे सभी को उनके आदर्शों, मूल्यों एवं विचारों से रूबरू होने का अवसर मिलेगा। उन्होंने कहा कि बाबा साहब का संपूर्ण जीवन समतामूलक समाज की स्थापना व लोक -कल्याण के लिए समर्पित रहा है। लोकतांत्रिक चेतना से दीप्त उनका महान जीवन हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने बाबा साहब के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुए उनकी शिक्षा एवं जीवन के संघर्षों से लोगों को अवगत करवाया। उन्होंने कहा कि बाबा साहब विश्व में मानवता के प्रेरणास्रोत हैं। हम सभी को उनके आदर्शों, विचारों को जीवन में आत्मसात करना चाहिए। बाबा साहब ने शिक्षित बनो, संगठित रहो, संघर्ष करो का मंत्र दिया था, जिसे हमें याद रखना चाहिए। बाबा साहब ने अपना पूरा जीवन शिक्षा के प्रसार, सामाजिक भेदभाव के अंत और वंचितों के सशक्तिकरण को समर्पित किया।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन एवं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश सरकार बाबा साहब के विजन, आदर्शों एवं सपनों को आगे बढ़ाने का कार्य कर रही है। राज्य सरकार अंत्योदय के लक्ष्य के साथ काम कर रही है। उन्होंने कहा कि बाबा साहब के सपने को साकार करने के लिए प्रधानमंत्री मोदी ने शिक्षा एवं सुशासन के क्षेत्र में अभूतपूर्व कार्य किए हैं। वे बाबा साहब की शिक्षा को समाज के उत्थान का मूल मंत्र मानते हैं। उन्होंने डॉ. अंबेडकर के भारतीय संविधान निर्माण में अतुलनीय योगदान को याद करते हुए कहा कि बाबा साहब ने विभिन्न मतों, विचारधाराओं के बीच संतुलन बनाकर भारत के भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए दुनिया के सबसे बड़े लिखित एवं जीवंत दस्तावेज के रूप में संविधान के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस दौरान उपमुख्यमंत्री ने ग्रामवासियों द्वारा रखी गई मांगों पर नियमानुसार सकारात्मक निर्णय लेने का आश्वासन भी दिया।

क्यों प्रसिद्ध है राजस्थान के बड़ागांव की गणगौर

झुंझुनू। लोकपर्व गणगौर यूं तो लगभग पूरे राजस्थान में उल्लास से मनाया जाता है, लेकिन शेखावाटी के झुंझुनूं जिले के बड़ागांव का गणगौर मेला अपने आप में अनूठा है। यहां करीब तीन सौ साल से गणगौर पर मेला भरता है। अधिकतर जगह अकेली गणगौर की सवारी निकलती है, लेकिन उदयपुरवाटी क्षेत्र के बड़ागांव में सबसे आगे ईशर की सवारी निकलती है। इसके बाद बड़ी संख्या में सजीधजी हुई गणगौर निकलती हैं। खास बात यह है कि ईशर की बुकिंग एक साल पहले करनी पड़ती है। इस गांव में ईशर एक घर से निकलते हैं, जबकि जितने घरों में महिलाएं गणगौर का उद्यापन (उजीणा) करती हैं, उतने ही घरों से गणगौर निकलती हैं। गांव निवासी सेना से रिटायर्ड कैप्टन नवल सिंह ने बताया कि वर्ष 2016-17 में एक साथ 27 गणगौर निकली थी। किसी वर्ष पांच तो ?किसी वर्ष दस से पंद्रह गणगौर निकलती हैं।

पीहर पक्ष वाले लाते हैं कपड़े व उपहार – महिला के पीहर पक्ष वाले गणगौर के दिन अपनी बहनों व बहन के ससुराल पक्ष के सदस्यों के लिए अपने सामर्थ्य के अनुसार वस्त्र व उपहार लाते हैं। जितने घरों से गणगौर निकलती है उतने ही घरों में जीमण का कार्यक्रम होता है।

गोपीनाथ मंदिर में होती हैं एकत्र – गांव निवासी अशोक सिंह शेखावत ने बताया कि अपने-अपने घरों से निकाली गई गणगौर को सबसे पहले गोपीनाथ मंदिर में लाया जाता है। सभी गणगौर आने के बाद यहां से बैंड बाजे के साथ गणगौर की सवारी निकाली जाती है। शाम करीब सवा तीन बजे के लगभग गणगौर की सवारी शुरू होती है।

राइटर्स-डायरेक्टर्स के साथ काम करना ज्यादा पसंद

आमिर खान हमेशा से कहानी पर ध्यान देते आए हैं, न कि सिर्फ को-स्टार्स के साथ काम करने पर। उनका कहना है कि उनकी सोच हमेशा राइटर्स और डायरेक्टर्स के करीब रही है, क्योंकि वही एक फिल्म की असली जान होते हैं।

फिल्म सिर्फ स्टार्स के दम पर नहीं चलती, उसके विजन और क्रिएटिविटी से बनती है इंस्टेंट बॉलीवुड को दिए इंटरव्यू में आमिर ने फिल्ममेकिंग को लेकर अपनी सोच साझा की। उन्होंने कहा, बहुत सारे एक्टर्स के साथ काम करके मजा आया, लेकिन मुझे ज्यादा एक्साइटमेंट कहानी लिखने वाले और डायरेक्शन संभालने वालों के साथ काम करने में मिलती है। मेरा ध्यान हमेशा कहानी पर होता है, न कि इस बात पर कि अगला को-स्टार कौन होगा। अगर कोई एक्टर रोल के लिए फिट नहीं है, तो सिर्फ मजा लेने के लिए उसके साथ काम नहीं करूंगा। आमिर का मानना है कि एक फिल्म सिर्फ स्टार्स के दम पर नहीं चलती, बल्कि उसके विजन और क्रिएटिविटी से बनती है। उन्होंने कहा, अगर मैं गलत हूं तो मुझे भी एक कदम पीछे हटना चाहिए। मेरा मकसद सिर्फ एक अच्छी फिल्म बनाना है, जो अपने आप में एक नया नजरिया लाए।

नए टैलेंट को मौका देने का इरादा

आमिर सिर्फ एक एक्टर ही नहीं, बल्कि एक प्रोड्यूसर भी हैं, जो नए टैलेंट को प्लेटफॉर्म देना चाहते हैं। उनका कहना है, मेरा मकसद नए लोगों को मौका देना है। मैं ऐसे सब्जेक्ट्स पर काम करना चाहता हूं जो हटकर हों, जो सिर्फ एक्शन या मसाला फिल्में न हों। हर कोई एक्शन फिल्म बना सकता है, लेकिन एक अलग कहानी लाना सबके बस की बात नहीं। इसीलिए मैं और ज्यादा फिल्मों का निर्माण करना चाहता हूं, ताकि नए कलाकारों और राइटर्स को एक अच्छा प्लेटफॉर्म मिल सके।

गौरी से रिश्ते की चर्चा

आमिर खान अपनी प्रोफेशनल लाइफ के साथ-साथ पर्सनल लाइफ को लेकर भी सुर्खियों में रहते हैं। अपने 60वें जन्मदिन पर, उन्होंने मीडिया के सामने अपनी नई गर्लफ्रेंड गौरी को इंट्रोड्यूस किया। गौरी बेंगलुरु की रहने वाली हैं और पेशे से एक लेखक हैं। दोनों की मुलाकात एक कॉमन फ्रेंड के जरिए हुई थी, और तब से वे एक-दूसरे के करीब आ गए हैं। आमिर के इस नए रिश्ते ने फैंस और मीडिया के बीच काफी चर्चा बटोरी है।

मैं सफलता या असफलता को ज्यादा महत्व नहीं देती

सफलता और असफलता के बारे में बोलते हुए उन्होंने कहा, मैं सफलता या असफलता को ज्यादा महत्व नहीं देती। यह हमारे जीवन का हिस्सा है। मुझे लगता है कि हम अपनी सफलता को बहुत बढ़ा-चढ़ाकर बताते हैं और असफलता पर बहुत जोर देते हैं। जबकि आपके दैनिक जीवन का प्रभाव और इरादा महत्वपूर्ण है। एक ऐसी अभिनेत्री होने के नाते, जिसने छह भाषाओं में काम किया है, एक ऐसी अभिनेत्री जिसने बच्चों के जन्म के कारण ब्रेक लिया, मुझे याद है कि लोग मुझसे कहते थे, ओह, तुम 10 साल बाद फिल्मों में वापस आना चाहती हो, यह काम नहीं करेगा, लेकिन मेरी वापसी वाली फिल्म एक कल्ट बन गई। हमें लोगों की बात नहीं सुननी चाहिए। जेनेलिया ने मातृत्व और स्टारडम के बीच के अंतरसंबंध के बारे में भी खुलकर बात की, इस बात पर जोर देते हुए कि कैसे उन्होंने अपने एक दशक के ब्रेक के दौरान अपने बच्चों को प्राथमिकता दी। उन दस सालों के दौरान, मैं खुद पर, अपने बच्चों पर ध्यान केंद्रित कर रही थी, और मुझे याद है कि रितेश ने मुझसे कहा था कि हमें अपने बच्चों को सक्षम बनाना होगा। मैं एक मांसाहारी हूँ और मुझे आसानी से प्रोटीन लेने की आदत है, इसलिए मुझे इससे जूझना पड़ा। यहीं से इमेजिन का जन्म हुआ। यह हर उस फ्लेक्सिटेरियन के लिए है, जो हफ़्ते में पाँच दिन मांस खाता है, लेकिन हफ़्ते में दो बार अन्य विकल्प चुनता है। यहाँ तक कि जब शाकाहारी खाने की बात आती है, तो प्रोटीन सेवन की बात आती है तो हमारे पास चुनने के लिए बहुत कम विकल्प होते हैं। इसने मुझे और रितेश को एक स्थाई विकल्प बनाने के लिए प्रेरित किया। पैनल में मसाबा गुप्ता, मेघना घई पुरी, अनन्या बिड़ला, अश्विनी अय्यर तिवारी और अन्य जैसे उल्लेखनीय नाम शामिल थे, जिन्होंने महत्वाकांक्षा और कल्याण के बीच नाजुक संतुलन का पता लगाया। जेनेलिया की यात्रा द्रढ़ता, अपनी देखभाल और सामाजिक अपेक्षाओं के बावजूद अपने जुनून के प्रति सच्चे रहने का प्रमाण है।

किस किसको प्यार करूं 2 से दूल्हा बन हंसाने को तैयार कपिल शर्मा

अभिनेता-कॉमेडियन कपिल शर्मा 'किस किस को प्यार करूं' के बाद अब किस किसको प्यार करूं 2 लेकर आ रहे हैं। ईद के मौके पर अभिनेता ने अपकमिंग फिल्म का फर्स्ट लुक जारी कर दिया, जिसमें कॉमेडी किंग' दूल्हे के लिबास में नजर आए। इंस्टाग्राम पर 'किस किस को प्यार करूं 2' का पोस्टर शेयर करते हुए कपिल शर्मा ने प्रशंसकों को ईद की मुबारकबाद देते हुए कैप्शन में लिखा, ईद मुबारक दोस्तों, केकेपीके2। वहीं, शेयर किए गए पोस्टर में कपिल दूल्हा के रूप में नजर आए। वह सिर पर सेहरा लगाए दिखे और उनके चेहरे पर हैरत के भाव हैं। शर्मा के साथ पोस्टर में घूंघट काढ़े दुल्हन भी है।

कपिल शर्मा और मनजोत सिंह स्टारर फिल्म के साथ कपिल शर्मा कॉमेडी की दुनिया में वापस ले जाने के लिए तैयार हैं। अनुकल्प गोस्वामी के निर्देशन में तैयार 'किस किसको प्यार करूं 2' का निर्माण रतन जैन, गणेश जैन और अब्बास-मस्तान ने वीनस वर्ल्डवाइड एंटरटेनमेंट के तहत अब्बास मस्तान फिल्म प्रोडक्शन के सहयोग से किया है। फिल्म की पहली किस्त 'किस किस को प्यार करूं' साल 2015 में रिलीज हुई थी। अब्बास मस्तान के निर्देशन में बनी कॉमेडी फिल्म में कपिल शर्मा के साथ अरबाज खान, मंजरी फडनवीस, सिमरन कौर मुंडी, एली अवराम, वरुण शर्मा, सुप्रिया पाठक, शरत सक्सेना और मनोज जोशी अहम भूमिकाओं में हैं। फिल्म एक ऐसे व्यक्ति के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसे परिस्थितिवश तीन लड़कियों से शादी करनी पड़ती है। तीनों एक ही इमारत में रहती हैं। हालांकि, उन्हें पता नहीं होता कि उनके पति एक ही हैं। फिल्म में नया मोड़ तब आता है, जब उसकी तीनों पत्नियां उसकी चौथी शादी में शामिल होती हैं और भांडा फूट जाता है। कॉमेडी किंग के नाम से मशहूर कपिल शर्मा कॉमेडी के साथ ही अभिनय जगत में भी अच्छा खासा नाम कमा चुके हैं। साल 2015 में शुरुआत के बाद वे 'फिरंगी' और 'ज्विगाटो' में भी नजर आए थे। कपिल बेहतरीन गायक भी हैं।

उगादी पर चिरंजीवी ने शुरू की मेगा 157 की शूटिंग

मेगास्टार चिरंजीवी ने अपनी आगामी फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है, जिसका संभावित नाम मेगा 157 है। अभिनेता ने इस फिल्म के लिए निर्देशक अनिल रविपुडी के साथ मिलकर काम किया है। चिरंजीवी ने उगादी के अवसर पर फिल्म के सेट से कई तस्वीरें पोस्ट कीं, जो नई शुरुआत का प्रतीक है। फिल्म को अभिनेता वेंकटेश दग्गुबाती ने लॉन्च किया, जिन्होंने पहले फिल्म के क्लैपबोर्ड के साथ पोज दिया और फिर मेगास्टार के साथ गले मिले। चिरंजीवी ने मेगा 157 के पूजा समारोह से कई तस्वीरें साझा कीं। तस्वीरों को साझा करते हुए उन्होंने लिखा, उगादी के इस खुशी के अवसर पर मैं अद्भुत निर्देशक अनिल रविपुडी, निर्माता साहू गरपति, सुष्मिता कोनिडेला और मेगा 157 की पूरी टीम के साथ अपनी यात्रा शुरू करने में खुश हूं। इस कार्यक्रम की शोभा बढ़ाने के लिए मेरे प्रिय वेंकटेश दग्गुबाती और इंडस्ट्री के मेरे सभी दोस्तों का बहुत-बहुत धन्यवाद।

हालांकि बाकी कलाकारों के बारे में अभी कोई जानकारी नहीं दी गई है, लेकिन अदिति राव हैदरी या परिणीति चोपड़ा के फिल्म में मुख्य भूमिका निभाने की संभावना है। इस बारे में आधिकारिक पुष्टि का इंतजार है। रिपोर्ट के अनुसार, मेगा 157 में कॉमेडी, इमोशनल और हाई-ऑक्टेन एक्शन का तड़का लगेगा।

फिल्म में चिरंजीवी का किरदार

अनिल रविपुडी द्वारा लिखित इस फिल्म में चिरंजीवी शंकर वरप्रसाद की भूमिका में हैं। तकनीकी टीम में सिनेमैटोग्राफर के रूप में समीर रेड्डी, संगीत को संभालने वाले भीम्स सेसिरोलेओ और संपादक के रूप में तम्मीराजू शामिल हैं। वहीं, चिरंजीवी की अगली फिल्म विश्वंभरा है। पहले यह फिल्म जनवरी 2025 में रिलीज होने वाली थी, लेकिन अब इसकी रिलीज डेट बढ़ाकर मई 2025 कर दी गई है।

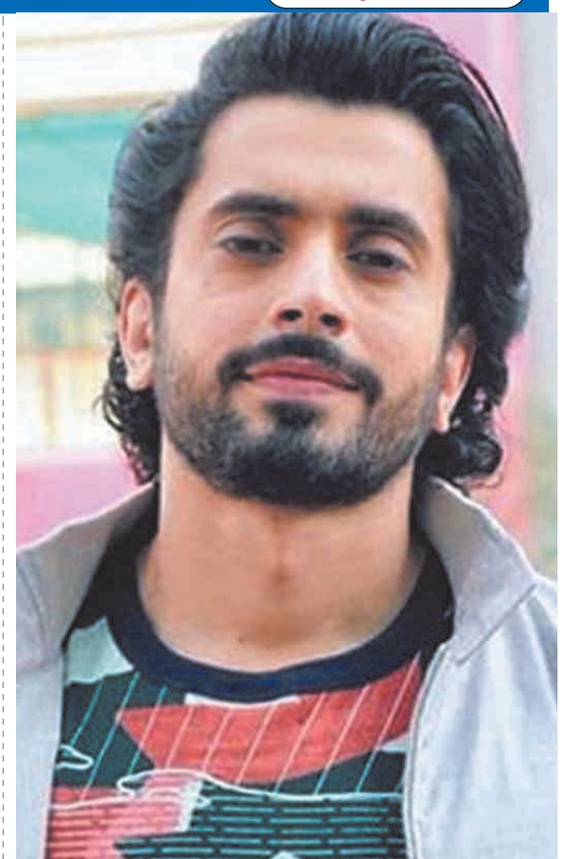

मैं हमेशा से हॉरर कॉमेडी करना चाहता था

अपनी आगामी फिल्म भूतनी के ट्रेलर लॉन्च पर अभिनेता सनी सिंह ने कहा कि वह हमेशा से हॉरर कॉमेडी करना चाहते थे। नी सिंह, मौनी रॉय, पलक तिवारी, संजय दत्त, निक और आसिफ खान 'द भूतनी' में नजर आएंगे। फिल्म का ट्रेलर फैंस को पसंद आ रहा है। कॉमेडी और हॉरर का मिक्सअप इस फिल्म में देखने को मिलेगा। ल्म के बारे में अपनी उत्सुकता साझा करते हुए सनी ने कहा, मैं हमेशा से हॉरर कॉमेडी करना चाहता था। जब मैंने स्क्रिप्ट पढ़ी और सिद्धांत सचदेव से मिला, तो मुझे पूरा कॉन्सेप्ट पसंद आया। संजू सर के साथ, मुझे पता था कि यह एक अविस्मरणीय अनुभव होगा। द्धांत सचदेव द्वारा निर्देशित और दीपक मुकुट और संजय दत्त द्वारा बनाई गई यह हॉरर-कॉमेडी एक भरपूर मनोरंजन करने का वादा करती है। नी ने कहा कि लोगों को फिल्म का पोस्टर बहुत पसंद आया है और मुझे भी। हर हॉरर कॉमेडी अनोखी होती है, लेकिन यह कॉन्सेप्ट पहले देखी गई किसी भी चीज से अलग है। इसे खूबसूरती से शूट किया गया है, और मेरे दोस्त पहले से ही उत्साहित हैं। दर्शकों ने पहले भी मेरी फिल्मों में मुझे पसंद किया है, और मुझे लगता है कि इस बार भी वे मुझे उतना ही प्यार देंगे। यह फिल्म 18 अप्रैल को रिलीज होगी।

सनी ने 2007 में धारावाहिक कसौटी जिंदगी की टेलीविजन पर अपनी शुरुआत की, जिसमें उन्होंने कृतिका सेंगर द्वारा निभाए गए किरदार के प्रेमी की भूमिका निभाई। इसके बाद, उन्होंने 2009 के धारावाहिक शकुंतला में करण की भूमिका निभाई। ह ने अपने फिल्मी करियर की शुरुआत 2010 में पाठशाला से की थी, जिसमें उन्होंने शाहिद कपूर के साथ काम किया था। 2011 में उन्होंने मधुर भंडारकर की कॉमेडी फिल्म दिल तो बच्चा है जी में काम किया, जिसमें उन्होंने एक छोटी सी भूमिका निभाई थी। उनकी पहली प्रमुख भूमिका रोमांटिक ड्रामा आकाश वाणी में थी। न्होंने प्यार का पंचनामा 2 में कार्तिक आर्यन के साथ काम किया।

जम्मू की रहने वाली सादिया खतीब ने कभी सोचा नहीं था कि वह हीरोइन बनेंगी, मगर उनकी किस्मत उन्हें ग्लैमर जगत में ले आई। शिकारा से अपने करियर की शुरुआत करने वाली सादिया रक्षा बंधन में अक्षय कुमार की बहन बनीं और अब जॉन अब्राहम की द डिप्लोमैट में उज्मा अहमद का वास्तविक किरदार निभा रही हैं। उनसे एक खास बातचीत।

महिलाओं को अपने अधिकार पता होने चाहिए, हम मर्दों से कमतर नहीं

फिल्मों में आप लगातार महिलाओं की आवाज बन रही हैं, हाल ही में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस भी था, आपके लिए फेमिनिज्म क्या है?

मुझे लगता है मेरे लिए फेमिनिज्म यही है कि हम महिआलों को अपने अधिकार पता होने चाहिए। औरतों को अपने कानूनी अधिकारों की जानकारी होनी चाहिए, अपने मजहबी हक का पता होना चाहिए। आपको अगर अपने इन तमाम राइट्स की जानकारी हो, तभी आप कुछ बात कर सकते हैं। मैं मानती हूं कि मैं मर्द नहीं हूं। मैं 200 किलो नहीं उठा सकती, मगर यदि मैं डेस्क पर काम कर रही हूं, तो मुझे भी मेल एम्प्लॉइज की तरह बराबरी का पैसा मिलना चाहिए। मेरे लिए महिलावाद के मायने हैं, समान अवसर और समान पैसे। साथ ही मैं ईक्वल रिस्पेक्ट भी चाहूंगी। कोई भी धर्म या संविधान हमें सेकंड क्लास सिटीजन की श्रेणी में नहीं रख सकता। हम ईक्वल हैं। हम भले मर्दों से अलग हैं, मगर हम उनसे कमतर नहीं हैं।

एक लड़की होने के नाते क्या आपने कभी हीनता महसूस की है?

मुझे लड़की होने के नाते भी ह्युमिलिएट होता है, जब हमें कमतर साबित करवाया जाता है। जब कभी काम की जगह पर आपको आपके जेंडर के कारण कमतर महसूस करवाया जाता है, तो बहुत हीन महसूस होता है। अगर हमें काम पर रखा गया है, तो इसका मतलब ये नहीं है कि हमें खरीद लिया गया है। हम उस काम को करने के लिए बाध्य हैं, जिसके पैसे हमें दिए जा रहे हैं। हम दूसरी किसी चीज के लिए बाध्य नहीं हैं। जब लोगों को लगता है कि उन्होंने आपको मौका दिया है और वे आपसे कुछ भी करवा सकते हैं, तो ये मुझे बहुत बुरा लगता है। इससे औरत की इंटीग्रिटी को आघात पहुंचता है।

आपके करियर की शुरुआत जाने-माने फिल्मकार विधु विनोद चोपड़ा की शिकारा से हुई, आपने उनसे क्या सीखा?

मुझे लगता है सिनेमा की एक संपूर्ण समझ विधु विनोद चोपड़ा जी से ही मिली। किरदार में नैचुरल रहना उन्होंने ही सिखाया। उनसे मैंने जाना कि एक किरदार की रिदम को कैसे बनाए रखते हैं। मैं उन्हें अपना पहला गुरु मानती हूं। वो हमेशा कहते थे कि एक्टर को अपने इंट्यूशन पर यकीन रखना चाहिए ,उसे हमेशा अपने फ्लो के साथ बहना चाहिए। फिल्म का जो भी रिजल्ट रहा हो, मगर आज भी मुझे मौका मिले, तो मैं शिकारा के सेट पर दोबारा जाना चाहूंगी।

आप कश्मीर से हैं, तो कश्मीर की इस कहानी से कितना जुड़ पाईं?

सच कहूं, तो मेरे अपीयरेंस के अलावा उस किरदार में मेरा अपना कुछ भी नहीं था। शिकारा की कहानी नब्बे के दशक की थी और तब मैं पैदा भी नहीं हुई थी। जब तक मैं पैदा हुई तब तक फिल्म में दर्शाया हुआ माहौल खत्म हो गया था।

मैं जम्मू से हूं और जहां मैं पली-बढ़ी हूं, वहां हमारी पढ़ाई को-एड में हुई है। जहां पर कश्मीरी पंडित, कश्मीरी मुस्लिम सारे धर्म के लोग साथ मिलकर रहते हैं। मैंने अपनी जिंदगी में ऐसा कुछ अनुभव नहीं किया, जैसा फिल्म में दिखाया गया है। मैंने भी सिर्फ कहानियां सुनी हैं, मैं तो आज के दौर की जेनज़ी लड़की थी, जो सेट पर इधर -हर मस्ती किया करती थी।

आपने जब अक्षय कुमार के साथ रक्षा बंधन में उनकी बहन का रोल करना स्वीकार किया तो क्या तब आपको बहन की भूमिका में टाइपकास्ट हो जाने का डर नहीं था?

-बिलकुल, जब मैंने फिल्म फिल्म साइन की, तो हर किसी ने यही कहा कि मैं बहन क्यों बन रही हूं, कहीं मुझ पर बहन का ठप्पा न लग जाए, मगर ये समस्या तब होती, जब मैं किसी लव स्टोरी में बहन की भूमिका कर रही होती। रक्षा बंधन की कहानी कोई प्रेम कहानी नहीं थी, यह तो भाई-बहन की कहानी थी, जिसमें मेरा सेंट्रल कैरेक्टर था और यह बात मुझे अक्षय सर ने ही समझाई थी। सच कहूं, मुझे ये टाइपकास्ट वाली बात जंचती नहीं। हो सकता है एकाध साल तक लोग आपको उस रूप में देखें, मगर फिर आपका काम सामने आ ही जाएगा।

आईटी समाधान से नगरीय विकास कर संग्रह में ऐतिहासिक उछाल

जयपुर। नगरीय विकास कर (यूडी टैक्स) संग्रह में सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) समाधान के प्रभावी उपयोग से कई शहरों में राजस्व में बहुगुणा वृद्धि दर्ज की गई है। भरतपुर, अलवर, कोटपुतली और जोधपुर जैसे शहरों में कर संग्रह में ऐतिहासिक उछाल आया है, जिससे शहरी निकायों की वित्तीय स्थिति मजबूत हुई है। भरतपुर में यूडी टैक्स संग्रह 80 लाख से बढ़कर 12 करोड़ तक पहुंच गया है, जबकि जोधपुर में यह राशि 26 करोड़ तक पहुंची। कोटपुतली में कर संग्रह 8 लाख से बढ़कर 1.80 करोड़ हो गया, वहीं अलवर में यह आंकड़ा 1.9 करोड़ से बढ़कर 4 करोड़ हो गया। राजस्व में इस उल्लेखनीय वृद्धि का मुख्य कारण डिजिटल मॉनिटरिंग, डेटा एनालिटिक्स, ऑनलाइन भुगतान प्रणाली और आईटी-आधारित पारदर्शिता को बताया जा रहा है। नगरीय विकास विभाग द्वारा लागू आईटी समाधान ने करदाताओं के लिए प्रक्रिया को सरल और सुगम बना दिया है, जिससे राजस्व संग्रह में तेजी आई है। नगरीय विकास मंत्री ने इस उपलब्धि को विभाग की एक बड़ी सफलता बताया और कहा कि डिजिटलीकरण और पारदर्शिता को और अधिक बढ़ावा देकर नगरीय विकास कर संग्रह को राज्य स्तर पर एक साथ लागू कर नए आयाम दिए जाएंगे।

डीग जिले में घर में घुसकर 12 से अधिक अज्ञात हमलावरों ने की फायरिंग, मां-बेटी घायल, जयपुर रैफर

डीग। भरतपुर संभाग के डीग जिले के कामा कस्बे में सोमवार शाम को अज्ञात हमलावरों ने एक घर में घुसकर फायरिंग कर दी। इस घटना में मां और सात माह की मासूम बेटी छर्रे लगने से घायल हो गईं। दोनों को तुरंत कामां के उपजिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें भरतपुर के आरबीएम अस्पताल रेफर कर दिया गया।

घटना का विवरण –पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, तीर्थराज विमल कुण्ड स्थित बड़ी परिक्रमा मार्ग निवासी बंटी गुर्जर पुत्र सीताराम गुर्जर के घर पर यह हमला हुआ। बंटी गुर्जर मूल रूप से हरियाणा के पुन्हाना थाना क्षेत्र के गांव सीहरी का निवासी है। हमलावरों की गोलीबारी में उसकी पत्नी सोनिया गुर्जर और सात माह की बेटी किट्टू घायल हो गईं।

घटना की सूचना मिलते ही थाना प्रभारी अनिल गौतम मौके पर पहुंचे और जांच शुरू की। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि बंटी गुर्जर का दोपहर में बिलौंद और अन्य गांव के कुछ लोगों से विवाद हुआ था। पुलिस को आशंका है कि यह फायरिंग उसी विवाद से जुड़ी हो सकती है।

घायलों की हालत गंभीर – घायल मां-बेटी का भरतपुर आरबीएम अस्पताल में इलाज चल रहा है। सात माह की बच्ची की हालत गंभीर बताई जा रही है। हालांकि, परिवार के सदस्य फिलहाल इस मामले में ज्यादा जानकारी देने से बच रहे हैं।

पुलिस कर रही हमलावरों की तलाश – कामा सीओ धर्मराज चौधरी ने बताया कि पुलिस घटना के पीछे की वजह का पता लगाने और हमलावरों को पकड़ने के लिए लगातार छापेमारी कर रही है। फिलहाल, इस गोलीकांड के पीछे की असली वजह का खुलासा नहीं हो पाया है। घटना में घायल हुई मां बेटी को जिला आरबीएम अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां पर उनकी हालत गंभीर होने पर उन्हें जयपुर के लिए रेफर कर दिया गया है

कमजोर वर्गों के कल्याण के लिए किया गया कार्य ही सच्चा : असवाल

जयपुर। गीता एण्ड जेपी असवाल एंड संस चैरिटेबल ट्रस्ट की ओर से सामाजिक सरोकारों के तहत समाज के वंचित लोगों के लिए सहायता उपलब्ध कराई गई। बाल कल्याण समिति, मालवीय नगर में अनाथ बच्चियों को भोजन सामग्री एण्ड मिठाई वितरित की गई। पूर्व एडीजीपी एवं ट्रस्ट अध्यक्ष जेपी असवाल ने कहा कि समाज में वंचित और कमजोर वर्गों के कल्याण के लिए किया गया कार्य ही सच्चा कार्य है। उन्होंने कहा कि मानवता की सेवा ही सच्ची सेवा है। ट्रस्टी गीता असवाल ने बच्चियों के सार्वभौमिक विकास के लिए उचित पोषण एवं भावनात्मक लगाव पर प्रकाश डाला। इसी तरह भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति केंद्र में भी भोजन सामग्री एंव मिठाई वितरित की गई। इस अवसर पर वरिष्ठ अधिवक्ता एवं ट्रस्टी संजय असवाल ने जीवन में शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि शिक्षा से ही जीवन में मुकाम हासिल हो सकता है।

उन्होंने कहा कि समाज के वंचित वर्ग के लिए हमेशा करूणा का भाव रहना चाहिए। गौरतलब है कि ट्रस्ट की ओर से प्रति वर्ष समाज के विभिन्न जरूरतमंद वर्गों, बच्चों, निशक्तजन के लिए किताबें, स्टेशनरी, शिक्षा, मुफ्त कोचिंग, भोजन सामग्री एवं मिठाई इत्यादि मुहैया करवाई जाती है।

फ्लैट में लगी आग, दम घुटने से बुजुर्ग की मौत

जयपुर। शिप्रापथ थाना इलाके में एक फ्लैट में आग लगने से 66 वर्षीय बुजुर्ग की मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक बुजुर्ग की मौत हो चुकी थी। प्रारंभिक जांच में पुलिस ने दम घुटने से मौत की आशंका जताई है। पुलिस ने बताया कि मृतक विद्यारत्न शर्मा महारानी फार्म पुलिया के पास स्थित फ्लैट में अकेले रहते थे और हार्डवेयर का काम करते थे। उनकी पत्नी का पांच साल पहले निधन हो गया था। इनका बेटा जगतपुरा में रहता है। रविवार सुबह करीब पांच बजे स्थानीय लोगों ने फ्लैट से धुआं निकलते देखा और तुरंत पुलिस व दमकल को सूचना दी। दमकलकर्मियों ने बताया कि आग से कमरे में रखा पलंग, पर्दे और अन्य सामान जल गया। करीब 15 मिनट में आग पर काबू पा लिया गया। पुलिस को पलंग के पास सिगरेट मिली है, जिससे आग लगने की संभावना जताई जा रही है। हालांकि, आग लगने के सही कारणों का अभी पता नहीं चल सका है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए जयपुरिया अस्पताल भिजवाया, जहां से परिजनों को सौंप दिया गया।

अग्रवाल समाज घासी बाजार झुला शाखा की महिला समिती की गणगौर पुजन सम्पन्न

हैदराबाद (एजन्सी),

अग्रवाल समाज की घासी बाजार झुला शाखा की महिला समिती द्वारा श्री राणी सती दादी मन्दिर में एक दिवससीय सामुहिक गणगौर पुजन कार्यक्रम रख़ा गया . जिसमें 175 के करीब सुहागिनौ ने ईसर व गणगौर का पूजन किया .

सभी आगंतुक महिलाऔं कौ सुहाग के प्रतिक उपहार स्वरुप दिये गये. .इस अवसर पर समिती की मुख्य संयौजिका शरमिला अग्रवाल सहित सहसंयौजिका मीना अग्रवाल,पूजा संघी मीनू अग्रवाल सारिका अग्रवाल व हेमा अग्रवाल भी उपस्थित थी. कार्यक्रम के समापन पर शाखाध्यक्ष गौविंराम पचेरिया उपाध्यक्ष यौगेन्द्र कटारुक परामर्रश दाता अनिल धरसुवाला उपस्थीत थे।.

7 अप्रैल को निशुल्क चिकित्सा जाँच शिविर

हैदराबाद (एजन्सी),

राधे राधे ग्रूप, हैदराबाद एवं आरजे इंसप्यारेशंन हैंदराबाद के संयुक्त तत्वावधान में आगामी 7 अप्रैल को नामपल्ली स्थित पोट्टी श्रीरामलू तेलुगू विश्वविद्यलाय के पीएसटीयू मुख्य सभागार में मेगा निशुल्क चिकित्सा जाँच शिविर तथा गरीब विद्यार्थियों को शिक्षा के लिए चैक वितरित कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा।

निशुल्क चिकित्सा जाँच शिविर दोपहर 2 बजे से 5 बजे तक आयोजित किया जाएगा उसके पश्चात जरूरतमंद विद्यार्थियों को प्रोहत्सान राशि के चैक वितरित किये जाएगे। चैक वितरण कार्यक्रम में तेलगांना के चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री दामोदर राजनरसिम्हा, तेलगांना के महिला एवं बाल कल्याण मंत्री अनसूया दानाश्री, आंध्र प्रदेश एवं तेलगांना के आयकर आयुक्त जीवनलाल लावडिया तथा फिल्म अभिनेत्री सुमन तलवार मुख्य अतिथि के रूप में भाग लेंगे। कार्यक्रम में डा सुचित्रा रेड्डी (पेद्दी राकेश रेड्डी फाउंडेशन) ,श्रीमति वनश्री गोयंका, सतीश कुमार गुप्ता, जगतनारायण अग्रवाल, रामप्रकाश अग्रवाल, उमा कार्तिक एवं महेश अग्रवाल सम्मानीय अतिथि के रूप में भाग लेंगे। निशुल्क चिकित्सा जाँच शिविर में नगरद्वय के प्रसिद्ध डाक्टर अपनी सेवाएँ देंगे।

राधे-राधे ग्रुप, भाग्यनगर द्वारा नित्य अन्नप्रसाद (नाश्ता) सेवा

हैदराबाद (एजन्सी),

राधे-राधे ग्रुप, भाग्यनगर द्वारा नित्य अन्नप्रसाद (नाश्ता) सेवा पूर्वाह्न पब्लिक गार्डन, पिलर-ए1265, नामपल्ली पर की गई। चैत्र मास, शुक्ल पक्ष, चतुर्थी तिथि व स्वर्गीय श्रीमती भागीरथीबाई जी गोयल की की पुण्य तिथि पर (श्री मुन्नालालजी सूरजभानजी गोयल परिवार) द्वारा सेवा की गई।

अवसर पर सतीश गुप्ता आशा अग्रवाल सुनीता अग्रवाल जगत नारायण अग्रवाल कीर्ति गोयल गोपाल गोयल ई. जगन महेश गुप्ता सुशील गुप्ता संजय गोयल मायारामजी अग्रवाल नंदकिशोर अग्रवाल भगतराम गोयल राजेश योगा सरजी रोहित अग्रवाल अशोक गुप्ता एस.जे समीर गोयल और अन्य राधे-राधे समूह के सदस्य उपस्थीत थे।

रिम्स सुपर स्पेशियलिटी में गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट उपलब्ध

आदिलाबाद, (एजन्सी):

सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल में गैस्ट्रोएंटरोलॉजी सेवाओं का उद्घाटन मंगलवार को रिम्स निदेशक डॉ. जयसिंह राठौड़, रिम्स अस्पताल अधीक्षक डॉ. अशोक, डॉ. सत्यनारायण, आरएमओ डॉ. चंपत राव ने किया। इस अवसर पर राजीव गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान के निदेशक जयसिंह राठौड़ ने कहा कि रिम्स अस्पताल में अब तक तीन प्रकार की चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध हैं। उन्होंने बताया कि मंगलवार को रीम्स सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल में गैस्ट्रोएंटरोलॉजी सेवाएं उपलब्ध करा दी गई हैं। अब तक सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल में न्यूरोसर्जरी, यूरोलॉजी, कैंसर और बाल चिकित्सा सर्जरी की सुविधा उपलब्ध है।उन्होंने कहा कि चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध करा दी गई हैं। उन्होंने कहा कि लोगों को हैदराबाद, यवतमाल, नागपुर जैसे अन्य स्थानों पर जाने की जरूरत नहीं है। निदेशक ने कहा कि सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल में जांच और ऑपरेशन के लिए आवश्यक सभी प्रकार के उपकरण और मशीनें उपलब्ध हैं। उन्होंने बताया कि गैस्ट्रोएंट्रोलॉजिस्ट डॉ. विवेक राठौड़ मंगलवार और गुरुवार को चिकित्सा सेवाएं देने के लिए उपलब्ध रहेंगे। उन्होंने कहा कि ओ.पी. सेवाएं उपलब्ध होंगी और आदिलाबाद जिले के लोगों को इन सेवाओं का लाभ उठाना चाहिए।

शिक्षा अधिकारी प्रणिता को उनकी सेवानिवृत्ति पर बधाई एवं भावभीनी विदाई दी गई

आदिलाबाद (एजेंसी)

केसीबी गार्डन में आयोजित सेवानिवृत्ति सम्मान समारोह में श्यामला देवी, आरडीओ विनोद कुमार, निर्मल जिला शिक्षा अधिकारी रामा राव, जनगांव जिला शिक्षा अधिकारी एडी दर्शनम भोजना, पूर्व बोध विधायक राठौड़ बापूराव, जिला अधिकारी एससी कल्याण अधिकारी सुनीता डीपीआरओ तिरुमला, आईसीडीएस अधिकारी मिल्का, जिले के एमईओ, प्रिंसिपल, विभिन्न शिक्षक संघों के नेता, शिक्षक और शिक्षिकाएं शामिल हुए। इससे पहले जिला कलेक्टर राजर्षि शाह ने कैंप कार्यालय में शिक्षा अधिकारी प्रणिता को शॉल ओढ़ाकर व स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया।इस अवसर पर बोलते हुए अतिरिक्त कलेक्टर ने कहा कि प्रत्येक कर्मचारी के लिए सेवानिवृत्ति अनिवार्य है और उन्होंने पिछले साढ़े तीन वर्षों से शिक्षा विभाग में अपनी सेवाएं देकर सभी का सम्मान अर्जित किया है तथा उनकी सेवाएं स्मरणीय हैं।इसके बाद संबंधित अधिकारियों और शिक्षकों ने अपने अनुभव साझा किए।उन्होंने कहा कि वह अपना शेष जीवन अच्छे स्वास्थ्य और खुशीशी के साथ बिताएं।

बाबा साहब का संपूर्ण जीवन समतामूलक समाज की स्थापना व लोक-कल्याण के लिए रहा समर्पित : डॉ. प्रेमचंद बैरवा

जयपुर। उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा सोमवार को अलवर जिले के एक दिवसीय दौरे पर रहे, यहां उन्हो मालाखेड़ा तहसील के ग्राम सुमेल में डॉ. भीमराव अंबेडकर की मूर्ति का अनावरण कर पुष्पांजलि अर्पित की। उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने मूर्ति अनावरण कार्यक्रम में बाबा साहब को नमन करते हुए कहा कि आज महाराजा भर्तृहरि की ऐतिहासिक पावन धरा पर भारत रत्न एवं आधुनिक भारत के शिल्पकार डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा का अनावरण हुआ है। इससे सभी को उनके आदर्शों, मूल्यों एवं विचारों से रूबरू होने का अवसर मिलेगा। उन्होंने कहा कि बाबा साहब का संपूर्ण जीवन समतामूलक समाज की स्थापना व लोक -कल्याण के लिए समर्पित रहा है। लोकतांत्रिक चेतना से दीप्त उनका महान जीवन हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने बाबा साहब के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुए उनकी शिक्षा एवं जीवन के संघर्षों से लोगों को अवगत करवाया। उन्होंने कहा कि बाबा साहब विश्व में मानवता के प्रेरणास्रोत हैं। हम सभी को उनके आदर्शों, विचारों को जीवन में आत्मसात करना चाहिए। बाबा साहब ने शिक्षित बनो, संगठित रहो, संघर्ष करो का मंत्र दिया था, जिसे हमें याद रखना चाहिए। बाबा साहब ने अपना पूरा जीवन शिक्षा के प्रसार, सामाजिक भेदभाव के अंत और वंचितों के सशक्तिकरण को समर्पित किया। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन एवं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश सरकार बाबा साहब के विजन, आदर्शों एवं सपनों को आगे बढ़ाने का कार्य कर रही है। राज्य सरकार अंत्योदय के लक्ष्य के साथ काम कर रही है। उन्होंने कहा कि बाबा साहब के सपने को साकार करने के लिए प्रधानमंत्री मोदी ने शिक्षा एवं सुशासन के क्षेत्र में अभूतपूर्व कार्य किए हैं। वे बाबा साहब की शिक्षा को समाज के उत्थान का मूल मंत्र मानते हैं। उन्होंने डॉ. अंबेडकर के भारतीय संविधान निर्माण में अतुलनीय योगदान को याद करते हुए कहा कि बाबा साहब ने विभिन्न मतों, विचारधाराओं के बीच संतुलन बनाकर भारत के भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए दुनिया के सबसे बड़े लिखित एवं जीवंत दस्तावेज के रूप में संविधान के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस दौरान उपमुख्यमंत्री ने ग्रामवासियों द्वारा रखी गई मांगों पर नियमानुसार सकारात्मक निर्णय लेने का आश्वासन भी दिया।

क्यों प्रसिद्ध है राजस्थान के बड़ागांव की गणगौर

झुंझुनू। लोकपर्व गणगौर यूं तो लगभग पूरे राजस्थान में उल्लास से मनाया जाता है, लेकिन शेखावाटी के झुंझुनूं जिले के बड़ागांव का गणगौर मेला अपने आप में अनूठा है। यहां करीब तीन सौ साल से गणगौर पर मेला भरता है। अधिकतर जगह अकेली गणगौर की सवारी निकलती है, लेकिन उदयपुरवाटी क्षेत्र के बड़ागांव में सबसे आगे ईशर की सवारी निकलती है। इसके बाद बड़ी संख्या में सजीधजी हुई गणगौर निकलती हैं। खास बात यह है कि ईशर की बुकिंग एक साल पहले करनी पड़ती है। इस गांव में ईशर एक घर से निकलते हैं, जबकि जितने घरों में महिलाएं गणगौर का उद्यापन (उजीणा) करती हैं, उतने ही घरों से गणगौर निकलती हैं। गांव निवासी सेना से रिटायर्ड कैप्टन नवल सिंह ने बताया कि वर्ष 2016-17 में एक साथ 27 गणगौर निकली थी। किसी वर्ष पांच तो ?किसी वर्ष दस से पंद्रह गणगौर निकलती हैं।

पीहर पक्ष वाले लाते हैं कपड़े व उपहार – महिला के पीहर पक्ष वाले गणगौर के दिन अपनी बहनों व बहन के ससुराल पक्ष के सदस्यों के लिए अपने सामर्थ्य के अनुसार वस्त्र व उपहार लाते हैं। जितने घरों से गणगौर निकलती है उतने ही घरों में जीमण का कार्यक्रम होता है।

गोपीनाथ मंदिर में होती हैं एकत्र – गांव निवासी अशोक सिंह शेखावत ने बताया कि अपने-अपने घरों से निकाली गई गणगौर को सबसे पहले गोपीनाथ मंदिर में लाया जाता है। सभी गणगौर आने के बाद यहां से बैंड बाजे के साथ गणगौर की सवारी निकाली जाती है। शाम करीब सवा तीन बजे के लगभग गणगौर की सवारी शुरू होती है।

5 अप्रैल को होनेवाले माँ वैष्णो देवी जागरण मंडल के जागरण का भूमि पूजन संपन्न

हैदराबाद (एजन्सी),

आगामी 5 अप्रैल को माँ वैष्णो देवी जागरण मंडल, हैदराबाद के तत्वावधान में नुमाइश मैदान में होने वाले माँ वैष्णो देवी के विशाल जागरण हेतु भूमि पूजन विधि-विधान के साथ किया गया।आज यहाँ नुमाइश मैदान में कार्यक्रम स्थल पर पंडाल का निर्माण करने हेतु भूमि पूजन पंडित संजय शर्मा के आचार्यत्व में पंडितों द्वारा किया गया। इसमें रामकिशन अग्रवाल, राकेश नरसिंगपुरिया सहित अन्य ने पूजन विधान को पूर्ण करवाया। मंडल द्वारा बताया कि हर वर्ष की तरह माँ वैष्णो देवी जागरण मंडल द्वारा माँ भगवती का विशाल जागरण 5 अप्रैल को नुमाइश मैदान में रात 8.21 से आयोजित किया जाएगा।

अवसर पर माता का भव्य दरबार, छप्पन भोग, अखंड ज्योत, माता का खजाना एवं लंगर प्रसाद, तारारानी की कथा, आरती का आयोजन किय जाएगा। अवसर पर गायक अहमदाबाद की गीता राबरी, प्रयागराज की जूली सिंह, नगर के मुरारी दाहिमा भजनों की प्रस्तुति देंगे। मंडल ने सभी भक्तों से कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेने का आग्रह किया।

जागरण में अतिथि के रूप में पधारने हेतु गोशामहल विधायक टी . राजा सिंह , महेश बैंक डायरेक्टर गोविंद राठी ,महेश बैंक के चेयरमैन रमेश कुमार बंग, तथा वाईस चेयरमैन लक्ष्मीनारायण राठी एवं अन्य को निमंत्रण पत्र देते हुए मंडल के राकेश नालपुरिया एवं कमल जाजू ।अवसर पर रामकिशन अग्रवाल, ए. के. अग्रवाल, राकेश नरसिंगपुरिया, संजय अग्रवाल (राजस्थानी),

अंजनी कुमार सारावगी, पुरुषोत्तम अग्रवाल, मनीष अग्रवाल, राकेश जालान, सूर्यक्रमल गुप्ता, धीरज कुमार अग्रवाल, प्रवीण नावंदर, हरिओम गर्ग, कमल आकाश जाजू, प्रदीप अग्रवाल, दिनेश टिबरेवाल, श्यामलाल बिक्की सराफ, महेश कुमार अग्रवाल, मदन सिंह सांखला, रवि मित्तल, विकास अग्रवाल, ललित अग्रवाल, पुनीत गुप्ता, विकास कुमार, सज्जन कुमार सराफ, रमेश कुमार अग्रवाल, संदीप गोयल, वरुण कौशिक, नारायण चौधरी, नरेशअग्रवाल, आनंद अग्रवाल, शंकर पोद्दार, प्रमोद कुमार रूंगटा, नरेश अग्रवाल, विनोद अग्रवाल, रामफल अग्रवाल, पवन अग्रवाल, महेश कुमार ताजपुरिया, विट्ठल अटल, नरेश गर्ग, सुनील कुमार अग्रवाल, सुशील कुमार अग्रवाल, दिनेश अग्रवाल, संदीप मित्तल, अशोक बंसल, नितिन अग्रवाल, एस. के. अग्रवाल, गोपाल त्यागी, दीपक अग्रवाल, नवीन कुमार अग्रवाल, मुकेश कुमार अग्रवाल, घनश्याम अग्रवाल, धीरज अग्रवाल, श्रवण कुमार अग्रवाल, अशोक मित्तल, आनंद बंग, किशन कुमार अग्रवाल, आशीष दोचानिया, अमित सरावगी, संदीप कुमार मारड़िया, अनूप कुमार, मुकेश कुमार अग्रवाल, राजू मिडा, अश्विन अवस्थी, हर्ष अग्रवाल, रजनीशकांत अग्रवाल, विकास सराफ, मोहित कुमार अग्रवाल, अनिरुद्ध गुप्ता, सुनीलकुमार दुगड़, राजेन्द्र कुमार दरक, विभोर कुमार तुलस्यान, रूपेश अग्रवाल, विजय कुमार अग्रवाल, विशंभर अग्रवाल, कमल कुमार नाहटा, पवन अग्रवाल, राकेश कुंडलिया, संदेश अग्रवाल, मनीष तालुका, अचल गुप्ता, अनिल सुरेखा, जगदीश सारड़ा, पवन गुरु व अन्य उपस्थित थे।

हैदराबाद (एजन्सी), अग्र महिला मंच तेलंगाना के सदस्यों ने महिलाओं का प्रमुख पर्व गणगौर पूजन वंदना अग्रवाल के निवास स्थान स्थान साईं सदन अपार्टमेंट , हिमायत नगर में किया । पूजन के अवसर पर ईसर गौर के मधुर गीत ,पानी पिलाने के गीत, आरते के गीत गाकर गणगौर को विदा किया गया। इस अवसर पर दीपा गर्ग, अंजू गोयल, वंदना अग्रवाल, सृष्टि गर्ग, कृतिका अग्रवाल, आयिषिका अग्रवाल, शिवानी गोयल, युविका अग्रवाल, बबीता अग्रवाल,सपना अग्रवाल, मधु गोयल, दिव्या अग्रवाल, व माईशा गोयल ने गणगौर की पूजा की|

हनुमान सालिसा पाठ का हुआ आयोजन

बेंगलूरू (एजन्सी),

मागड़ी रोड अग्रहारा दासरहल्ली स्थित रामदेव प्रार्थना मंदिर में मंगलवार को सामूहिक हनुमान सालिसा पाठ का आयोजन किया गया। पाठ की शुरूआत बालाजी के समक्ष ज्योत प्रज्वलित से हुआ। उसके बाद हनुमान जी की पूजा-अर्चना की गई। संस्था के अध्यक्ष चेतन सीरवी ने बताया कि धर्म के प्रति जागरूकता के लाने के लिए इस प्रकार के आयोजन जरूरी है। देश के प्रत्येक युवा धर्म के समपर्ण भाव होना चाहिए। तभी धर्म मजबूत,होगा। इसके लिए ऐसे आयोजनों में युवाओं की संख्या में,अधिकाधिक होनी चाहिए। इस अवसर पर संस्था के अध्यक्ष चेतन सीरवी, सचिव पंकज शर्मा, रमेश चावत, माणक महाराज, बिजाराम सीरवी, पर्वतसिंह राजपुरोहित, शांतिलाल प्रजापत, भानाराम सीरवी, रमेश कुमावत, रामलाल प्रजापत, अशोक टाक एवं महिलाएं, बच्चे आदि उपस्थीत थे।

वेव्स 'क्रिएट इन इंडिया चैलेंज' में 1100 अंतर्राष्ट्रीय प्रतिभागी लेंगे भाग

हैदराबाद (एजन्सी),

1 से 4 मई, 2025 तक मुंबई के जियो वर्ल्ड सेंटर में होने वाले वर्ल्ड ऑडियो विजुअल एंड एंटरटेनमेंट समिट (वेव्स) के हिस्से के रूप में शुरू किए गए क्रिएट इन इंडिया चैलेंज (सीआईसी) सीजन-1 ने 1,100 अंतर्राष्ट्रीय प्रतिभागियों सहित 85,000 पंजीकरणों को पार करने का एक नया मील का पत्थर हासिल किया है।

32 विविध चुनौतियों में से एक सावधानीपूर्वक चयन प्रक्रिया के बाद चुने गए 750 से अधिक फाइनलिस्ट को अपनी व्यक्तिगत चुनौती के परिणाम और आउटपुट, अपनी प्रतिभा और कौशल को प्रदर्शित करने के अलावा अपने संबंधित क्षेत्र के

व्यावसायिक नेताओं के साथ नेटवर्किंग के अवसरों के अलावा पिचिंग सत्रों और मास्टरक्लास, पैनल चर्चा, सम्मेलनों आदि के माध्यम से वैश्विक दिग्गजों से सीखने का एक अनूठा अवसर मिलेगा। क्रिएट इन इंडिया चुनौतियों के विजेताओं को मुंबई में एक भव्य समारोह में 'वेव्स क्रिएटर अवार्ड्स' से सम्मानित किया जाएगा।

इन चुनौतियों ने रचनात्मक परिदृश्य में एक शक्तिशाली प्रवेश किया है, जिसने पूरे भारत और उसके बाहर नवाचार और जुड़ाव की लहर को प्रज्वलित किया है, जो वैश्विक स्तर पर रचनात्मक प्रतिभा के लिए एक प्रमुख मंच के रूप में उभर रहा है।

हाई-एनर्जी रील मेकिंग कॉम्पिटिशन, सॉल्यूशन-ओरिएंटेड टुथ टेल हैकाथॉन, दूरदर्शी यंग फिल्ममेकर चैलेंज और कल्पनाशील कॉमिक्स क्रिएटर चैंपियनशिप सहित 32 विविध और गतिशील चुनौतियों की विशेषता एनीमे चैलेंज, ईस्पोर्ट्स टूर्नामेंट, ट्रेलर मेकिंग प्रतियोगिता, थीम म्यूजिक प्रतियोगिता और अत्याधुनिक एक्सआर क्रिएटर हैकाथॉन सीआईसी को अगली पीढ़ी के कहानीकारों, डिजाइनरों और डिजिटल इनोवेटर्स के लिए एक निश्चित लॉन्चपैड के रूप में स्थापित करते हैं।

हैदराबाद (एजन्सी), तेलुगु नव वर्ष उगादी के अवसर पर नवभारत निर्माण संघ द्वारा तेलुगु पत्रकार श्रीमती उमा माहेश्वरी को अमृत कॉन्फ्रेंस हॉल राघव रतन टॉवर अबिड्स में सम्मानित किया गया। इस अवसर पर प्रसिद्ध सामाजिक कार्यकर्ता अमृत कुमार जैन, संघ के अध्यक्ष एस रवि कुमार, श्रीलता और अन्य लोग शामिल हुए।

वोक्सवैगन कर्मचारियों के लिए मेडिकवर द्वारा निःशुल्क चिकित्सा शिविर

करीमनगर (एजन्सी),

करीमनगर मेडिकवर अस्पताल ने गुरुवार को कोतीरामपुर स्थित वोक्सवैगन शोरूम में काम करने वाले कर्मचारियों, स्टाफ और ग्राहकों के लिए एक मुफ्त मेगा चिकित्सा शिविर का आयोजन किया।

शिविर का उद्घाटन शोरूम मैनेजर लक्ष्मण ने किया। शिविर में अस्पताल के चिकित्सक डॉ. प्रवीण द्वारा 110 लोगों की जांच की गई। लोगों को आवश्यकता के अनुसार उनका

शुगर, बीपी और 2डी इको टेस्ट किया गया और उनका निदान किया गया। अवसर पर मेडिकवर हॉस्पिटल सेंटर के प्रमुख गुर्रम किरण ने कहा कि इस निःशुल्क मेगा चिकित्सा शिविर का आयोजन वोक्सवैगन के कर्मचारियों, स्टाफ और ग्राहकों को सुपर स्पेशियलिटी चिकित्सा सेवाएं प्रदान करने के उद्देश्य से किया गया। उन्होंने आगे कहा कि मेडिकवर अस्पताल में सभी प्रकार की सुपर स्पेशियलिटी सेवाएं 24 घंटे उपलब्ध हैं। शिविर में वोक्सवैगन के कर्मचारी सैदुलु, संपत, अस्पताल के विपणन प्रबंधक कोटा करुणाकर, संतोष और अन्य ने भाग लिया।

Madhav Autism Foundation
Celebrates
WORLD AUTISM AWARENESS DAY
Wednesday, 2nd April 2025 from 5:30 p.m. onwards
Venue : KLN Prasad Auditorium, FTCCI, Red Hills, Hyderabad

मुख्य अतिथि
डॉ. शशांक गोयल IAS
(DG & E.O Dr. MCRHRDIT)
Spl. Chief Seceretary
Govt. of Telangana

ऑटिज्म टॉक
डॉ. सुमन सर्राफ
के द्वारा
ऑटिज्म विषय पर
महत्वपूर्ण व्याख्यान

सम्माननीय अतिथिगण
डॉ. एस.के. जायसवाल — Consultant Head of Neurology, KIMS, Kondapur
श्री लक्ष्मीनिवास शर्मा — Sr. Chartered Accountant & Renowned Samaj Sevi
श्रीमती रुपाश्री भूतापति — Board Member, Google India
श्री ए. बाबु राव — Founder & Head, Cafe Niloufer Group
श्रीमती बी. नर्मदा मल्लीकार्जुन — Civilian Nominated Member, Sec'bad Contonment Board
डॉ. पी. मदन मोहन राव — Chief Pediatrician, Hope Children's Hospital, Basheerbagh
सीए पिंकी केड़िया — Treasurer WIRC-ICAI (2024-25), Regional Council Member WIRC-ICAI
श्रीमती अल्का मनोज — BJP Telangana State Vice-President, Minority Morcha

विशेष आमंत्रित संस्थाएँ
अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन, तेलंगाना — अध्यक्ष : श्री योगेश जैन सचिव : श्री विनय जैन
स्टील मर्चेन्ट्स एसोसिएशन, फतेहनगर — अध्यक्ष : श्री ज्योति जयसवाल सचिव : श्री सुरेन्द्र वर्मा
बिहारीज वेलफेयर एसोसिएशन, तेलंगाना — अध्यक्ष : श्री आलोक कुमार झा सचिव : श्री परमानंद शर्मा
झुंझुनू प्रगति संघ, हैदराबाद — अध्यक्ष : श्री रामकुमार पसारी सचिव : श्री संदीप ढेढिया
तेलंगाना टी मर्चेन्ट्स एसोसिएशन — अध्यक्ष : श्री एच. शहीद दर्वेश सचिव : श्री सुरेन्द्र अग्रवाल
श्री पहाड़ी श्याम मन्दिर, महेन्द्रा हिल्स, सिकन्दराबाद — चेयरमैन : श्री अरुण डाकोतिया

मंचीय कार्यक्रम के पश्चात प्रमुख स्टैण्डअप कॉमेडी एवं बच्चों द्वारा नृत्य व फैशन शो
आटिज्म के क्षेत्र में सेवार्थ लोगों का विशेष सम्मान
कृपया सायं 5 बजे ऑडीटोरियम में अपना स्थान ग्रहण कर सहयोग करें ।

Madhav Autism Foundation
Dr. Suman Saraf — President
Sri Anil Saraf — Vice President
Dr. Dilip Pansari — Hon. Secretary
Smt. Rupali Shah — Joint Secretary
Smt. Shushma Agarwal — Tresurer
Smt. Meeta Pansari — Convener
Grand Queens Club
Dr. Saurabh Sureka — Founder
Ms. Rupa Sureka — Co-Founder

Praveen Agarwal - Global Aluminium | Ramnivas Gaindidevi Sharda Charitable Trust | Deepali Khushaldasani

BHAVES NPS Suman Autism Centre Himadri अग्रमंच भारत सेवा निधी कोलकाता Navya Silks Secunderabad GrandQueens Club

आयोजन समिति : दिनेश पंसारी बोड़नपल्ली | सुषमा बी. जैन कवाड़ीगुडा | महेन्द्र अग्रवाल कोत्तापेट | अशोक जिंदल कोत्तापेट | रिंकु गर्ग घांसी बाजार | दीपा अग्रवाल मोतीनगर | नीति अग्रवाल मलकपेट | दिनेश शहबाजपुरिया मुरलीनगर | वीरेन्द्र अग्रवाल अत्तापुर | पंकज संघी मलकपेट | गोपाल अग्रवाल रामनगर | प्रतीक अग्रवाल दोमलगुडा | इशांत गोयल बेगम बाजार | रवि गोयनका सिकन्दराबाद | अरुण अग्रवाल सिकन्दराबाद | सुनील सर्राफ कवाड़ीगुडा | राजेश जोशी बोड़नपल्ली | सीए शैलेन्द्र शर्मा आबिड्स | संजय सिंह दोमलगुडा | दिपेश पंसारी बोड़नपल्ली | पूनम मंत्री माधापुर | नितिन सर्राफ हब्सीगुडा | सुरेश – ललिता टांटिया हिमायतनगर | नव्या सर्राफ कवाड़ीगुडा | अनुष्का रौशमी अशोकनगर | वरलक्ष्मी मुशीराबाद

RSVP : 83176 41211 / 70369 42920

Printed,Published,Edited & Owned by Sandesh B. Bharadwaj Printed at RK Art Printers, AP HB Shop , Vidhya Nagar, Hyderabad (T.S.) 504001.Published from HO No 2-2-1103/5/3A,Himyathnagar, Hyderabad (T.S.) RNI APHIN/2009/29553 500027. E-mail: dailyhindihyd@gmail.com, Website- hindidaily.net